



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

11

सं० 27]
No. 27]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 3, 1987/भाद्र 12, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 3, 1987/BHADRA 12, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भाग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Pageing is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

दि इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया

(कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत स्थापित)

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1987

फाइल संख्या 104/15/लेखा—31 मार्च, 1987 को समाप्त वर्ष की
दि इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया की सातवीं वार्षिक
रिपोर्ट।

प्रस्तावना

1. कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18(5) के अनुसरण
में दि इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया की परिषद् 31 मार्च, 1987
को समाप्त वर्ष की सातवीं वार्षिक रिपोर्ट और उसका अवधि के
लेखों के लेखा-परीक्षण विवरण तथा उन पर इन्स्टीट्यूट के कामकाज
की लेखा परीक्षा की रिपोर्ट सार्वजनिक प्रकाशित करती है।

संगठनात्मक ढांचा

2. परिषद्

2.1 संघटन—कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 9 की
उपधारा (2) के खण्ड (ख) के अधीन केन्द्र सरकार को प्रदत्त शक्तियों

के अनुसार श्री बी०पी०आर० बिट्टल को डा० डी०एन० सक्सेना के
स्थान पर 1-1-1987 से 31-12-1988 तक के लिए परिषद् का
सदस्य नामित किया गया है। डा० डी० एन० सक्सेना का कार्यकाल
31 दिसम्बर, 1986 को समाप्त हो गया था। परिषद् के संघटन
में अन्य कोई परिवर्तन नहीं है और सभी निर्वाचित और नामित सदस्य
इन रिपोर्ट की तारीख तक अपने पद पर कार्य कर रहे हैं। यह परिषद्
डा० डी० एन० सक्सेना और श्री पी० सी० मनकड की अध्यक्षता में
की सहायता करती है जो उन्होंने परिषद् के सदस्यों की हैसियत में
की।

2.2 बैठकें—परिषद् ने 1986-87 के दौरान 7 बैठकें रखीं।

3. अध्यक्ष और उपाध्यक्ष—1 जनवरी, 1987 को आयोजित परिषद्
की 37वीं बैठक में श्री आर० बी० नागराजन ने अध्यक्ष का पद
छोड़ दिया और श्री आर० रामचन्द्रन को वर्ष 1987 के लिए 1-1-1987
से सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसी बैठक में श्री बी०एन०
जोगाडस्वामी को 1-1-1987 से एक वर्ष के लिए सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष
निर्वाचित किया गया। वर्ष 1986 में इन्स्टीट्यूट के अध्यक्ष के रूप में
श्री आर० बी० नागराजन द्वारा की गई अध्यक्षता सेवाओं के लिए परिषद्
ने उनकी सहायता की।

4. समितियाँ:—प्रधिनियम की धारा 17 के प्रावधानों के अनुसार परिषद ने वर्ष के दौरान तीन स्थायी और पांच अन्य समितियों का गठन किया। विभिन्न समितियों की संरचना इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "क" में दी गई है।

5. क्षेत्रीय परिषदों और शाखाएं

5.1 क्षेत्रीय परिषदें:—1 जनवरी, 1986 से 3 वर्ष की अवधि के लिए गठित 4 क्षेत्रीय परिषदों में से प्रत्येक की व्यावसायिक विकास की गतिविधियाँ वर्ष के दौरान चलती रहीं। वर्ष 1986-87 के लिए 4 क्षेत्रीय परिषदों की वार्षिक रिपोर्टों से तैयार की गई गतिविधियों और वित्तीय स्थितियों का सारांश हम रिपोर्ट के परिशिष्ट "ख" में दिया गया है।

5.2 शाखाएं:—कम्पनी सचिव विनियमावली 1982 के विनियम 143 के अनुसार 4 क्षेत्रीय परिषदों के क्षेत्राधिकार के अधीन गठित 32 शाखाएं विद्यार्थियों की स्थिति और सदस्यों के व्यावसायिक विकास के लिए वर्ष के दौरान अपनी स्थानीय गतिविधियाँ चलाती रहीं।

5.3 क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं के पदाधिकारियों की बैठकें:—रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में और मार्च 1987 के अन्तिम सप्ताह में नई दिल्ली में हुए इंस्टीट्यूट के 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं के पदाधिकारियों की बैठकें क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं के बीच नियमित रूप से पारस्परिक सम्बन्ध रखने की प्रक्रिया के तहत चलायी जाती रहीं। प्रत्येक क्षेत्र में गतिविधियों की गति को बढ़ाने के लिए पहली बार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिवालय तथा चार क्षेत्रीय परिषदों के चेयरमैन की एक अलग बैठक 1 जनवरी, 1987 को रखी गई।

5.4 सर्वश्रेष्ठ शाखा पुरस्कारों का वितरण:—26 मार्च, 1987 को नई दिल्ली के प्रगोक होटल में 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन पर माननीय केन्द्रीय उद्योग मंत्री श्री जे. वेंगलराव ने वर्ष 1985-86 के लिए निम्नलिखित सर्वश्रेष्ठ शाखा पुरस्कार वितरित किए:—

- (i) वर्ष 1985-86 के लिए इंस्टीट्यूट की सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय शाखा के रूप में अधिनियमित होने के कारण जल रजत शिल्प और प्रशस्ति प्रमाण पत्र तथा पश्चिमी क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय शाखा के लिए प्रशस्ति पत्र। —ग्रहमवाबाद शाखा
- (ii) पूर्वी क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय शाखा होने के कारण प्रशस्ति प्रमाण पत्र। —राँधी शाखा
- (iii) उत्तरी क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय शाखा होने के कारण प्रशस्ति प्रमाण पत्र। —कानपुर शाखा
- (iv) दक्षिणी क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय शाखा होने के कारण प्रशस्ति प्रमाण पत्र। —बंगलूर शाखा

उक्त समारोह में श्री के. एन. सोदी ने इंस्टीट्यूट में सर्वश्रेष्ठ शाखा के लिए वर्ष 1985-86 से 25,000 रु. का सोदी एन्टरप्राइजेज वार्षिक पुरस्कार चलाने की घोषणा की और तबनुसार 1985-86 के लिए 25,000 रु. का पुरस्कार ग्रहमवाबाद शाखा को मिलेगा।

6. कम्पनी सचिव विनियमावली 1982 में संशोधन:—कम्पनी सचिव (संशोधन) विनियमावली 1987, 23 फरवरी 1987 को भारत के राज-पत्र (असाधारण) में प्रकाशित हुआ था। जिनमें 30 दिसम्बर, 1985 से पहले पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं में ढील देने के लिए विनियम 48 और 50 में कुछ संशोधनों का प्रवर्तन करने की व्यवस्था है।

रोजगार और प्रशिक्षण के लिए सदस्यता

7. सदस्यता:—रिपोर्टाधीन वर्ष में 375 व्यक्तियों को इंस्टीट्यूट का एसोसिएट सदस्य बनाया गया और 103 एसोसिएट सदस्यों को फेलो सदस्यता प्रदान की गई। 31 मार्च, 1987 को इंस्टीट्यूट के रजिस्टर में 5940 सदस्य दर्ज थे, जिनमें 4648 एसोसिएट सदस्य और 1292 फेलो सदस्य थे। वार्षिक फीस की प्रदायगी न करने, मृत्यु अथवा त्यागपत्र देने के कारण 31 मार्च, 1987 तक 82 सदस्यों के नाम रजिस्टर में से काट दिए गए, जिनमें से 15 फेलो और 67 एसोसिएट सदस्य हैं। परिणाम इस वर्ष 14 सदस्यों की मृत्यु पर अपना शोक व्यक्त करती है। 31 मार्च, 1987 की विवेक में रहने वाले सदस्यों की संख्या 117 थी। पिछले पांच वर्षों में सदस्यों में हुई वृद्धि के संबंध में सारणी इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "ग" में दी गई है।

8. प्रैक्टिस प्रमाण पत्र:—विद्यार्थीवर्ष में 185 सदस्यों को प्रैक्टिस के लिए प्रमाण पत्र जारी किए गए और वर्ष के अन्त में 879 सदस्यों के पास प्रैक्टिस प्रमाण पत्र थे। 55 सदस्यों के प्रमाण पत्र वार्षिक प्रैक्टिस प्रमाण पत्र फीस न देने, मृत्यु, प्रमाण पत्र वापस कर देने तथा प्रमाण पत्र के नवीकरण की पात्रता न रहने के कारणों से रद्द किए गए। प्रैक्टिस प्रमाण पत्र धारक सदस्यों में वृद्धि की एक सारणी रिपोर्ट के परिशिष्ट "घ" में दी गई है।

9. सदस्यों की सूची:—विनियम 161 के साथ पठनीय कम्पनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 19 (3) के अनुसरण में 1 अप्रैल, 1986 को सदस्यों की एक पूरक सूची प्रकाशित की गई तथा सदस्यों द्वारा मांग करने पर उन्हें दी गई।

व्यावसायिक विकास और अनुसंधान शिक्षा

10. कार्यक्रम:—समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इंस्टीट्यूट ने प्रमुख/उच्चतम अधिकारियों के लिए 4 कार्यक्रम आयोजित किये। इन अधिकारियों में नामित/प्रशासनिक निदेशक, चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, कम्पनी सचिव तथा मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक राज्यों के वित्तीय नियंत्रक शामिल रहे। इसके अलावा इंस्टीट्यूट में "सरकारी कम्पनियों में निदेशकों की उभरती भूमिका" पर एक कार्यक्रम शुरू था। इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इण्डिया, इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एंड ब्रॉड एकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया, मैनेजमेंट डेव. एन्ड इंस्टीट्यूट तथा कम्पनी कार्यों के विभाग के डायरेक्टर जनरल आफ एक्स्प्लोरेशन एंड रजिस्ट्रेशन के साथ मिलकर भी कार्यक्रम रखे।

10.1 कम्प्यूटर मूल्यांकन कार्यक्रम:—चूंकि भ्रम्य आकार की कम्पनियों तक में भी छोटे निवेशकों की संख्या कई हजारों में बढ़ गई है। इससे सभी प्रख्यात पब्लिक लि. कम्पनियों में उनके संचिकीय और अन्य विभागों में विभिन्न कार्यों के लिए कम्प्यूटीकरण होना जा रहा है। इसीलिए परिषद ने सभी क्षेत्रीय परिषदों और उनकी शाखाओं को सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लाभ के लिए नियमित अंतराल पर कम्प्यूटर मूल्यांकन पाठ्यक्रम संगठित करने की सलाह दी है। क्षेत्रीय परिषदों और कुछ प्रमुख शाखाओं ने इस वर्ष कम्प्यूटर मूल्यांकन पाठ्यक्रमों का आयोजन करना पहले से ही शुरू भी कर दिया है।

11 प्रकाशन

11.1 चार्टर्ड सेक्रेटरी:—यह जर्नल 16 साल से प्रकाशित हो रहा है और यह जर्नल सदस्यों और कम्पनी एक्जीक्यूटिवों के लिए प्रभावकारी ढंग से सम्मेलन के माध्यम के रूप में तथा व्यावसायिक ज्ञान में उनकी प्रत्यक्ष सूचना देने के लिए लोकप्रिय बना रहा है। "चार्टर्ड सेक्रेटरी" के 13वें खण्ड में प्रकाशित विविध सेवा विधि और प्रबंध विभागा में विद्यमान सर्वोत्तम सेवाओं के लिए दिये गये पुरस्कारों का वितरण दिल्ली में 26 मार्च, 1987 को हुए 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में माननीय उद्योग मंत्री श्री जे. वेंगलराव ने किया।

11.2 इंस्टीट्यूट ने इन वर्ष "कारो कॉन्फेडर—रॉबिन्स एंड प्रो. जर्.", "गाइड टू स्माल स्केल इंडस्ट्रीज", "गाइड टू कम्पनी सेक्टर" इन प्रैक्टिस" तथा "गाइड टू स्माल फार्म कम्पनी सेक्टर" इन प्रैक्टिस" प्रकाशित किया।

12. अनुसंधान योजनाएं:—इंस्टीट्यूट का व्यवसाय और निगम क्षेत्र से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर अनुसंधान का कार्य हाथ में लेने के प्रस्ताव मिलते रहे। इस वर्ष तीन विषयों पर पायलट पेयों का अनुसंधान किया गया और निम्नलिखित (ii) और (iii) विषयों पर अन्तिम अध्ययन की पाण्डुलिपियां विचारार्थ प्राप्त हुई:—

(i) इण्डस्ट्रियल मिकनेस इन स्माल स्केल सेक्टर।

(ii) नान-रेजिडेंट इण्डियन इन्वेस्टमेंट—पालिसी एंड प्रोसीजर।

(iii) प्राइवेट लिमिटेड कम्पनीज—उन एंड होटम।

13. मानक सचिवीय प्रैक्टिस के लिए मार्ग निर्देश तैयार करना:—स्टाक एक्सचेंज में सुधारों के बारे में स्थापित "उच्च शक्ति समिति" की सिफारिशों में एक सिफारिश यह थी कि इंस्टीट्यूट को कंपनियों के सचिवीय/शेयर विभागों में कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय करने चाहिए, इस सिफारिश के अनुसरण में इंस्टीट्यूट ने इस बारे में मार्ग निर्देश तैयार करने का कार्य इंस्टीट्यूट के उपाध्यक्ष श्री बी. एस. डोराइस्वामी की सौंपा है। श्री डोराइस्वामी ने अब रिपोर्ट दे दी है, जिसे प्रतिम रूप दिया जा रहा है।

14. रोजगार के अवसरों के लिए संवर्धन

14.1 परिषद द्वारा 1983-84 में स्थापित रोजगार समिति की सिफारिश पर प्रचार प्रसार करने के काम उठाए गए हैं, जिससे उन घनेको एजेंसियों से व्यवसाय की भूमिका का निर्वाह हो सके जिन्हें विभिन्न रूपों में कंपनी सचिवों की सेवाओं की आवश्यकता पड़ती है। क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं के चयरमैनो से अनुरोध किया है कि वे इस समिति की महत्वपूर्ण सिफारिशों को कार्यान्वित करें।

14.2 पहले कंपनी मामलों के विभाग तथा बैंकिंग विभाग की अभ्यावेदन प्रस्तुत किए गए थे जिनमें उनसे अनुरोध किया गया कि वे राष्ट्रीय-कुत बैंकों और वित्तीय संस्थानों को अपने मंडल सचिवालय का काम चलाने के लिए कंपनी सचिवों को नियुक्त करने की महत्ता को प्रभावपूर्ण ढंग से समझाएं। इसी प्रकार और यह भी कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के सर्वेंट बैंकिंग डिवीजनों में कंपनी सचिवों की पूर्णकालिक रूप में एम्प्लो-यूटिव पदों पर लिया जाए; इनके कार्यान्वयन के लिए लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं। इसी प्रकार जीवन बीमा, सामान्य बीमा निगमों तथा अन्य बीमा कंपनियों की अभ्यावेदन भेजे गए कि वे प्रशासनिक और सहायक प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्ति तथा उनके कैडरों में पदोन्नति के लिए कंपनी सचिवों का मान्यता प्रदान करें। इस बारे में भी अनुवर्ती कार्रवाई की गई है।

14.3 कुछ महत्वपूर्ण वैनिक समाचार पत्रों को नियमित रूप से देख कर विश्लेषण करने के बावजूद कहीं आवश्यक हुआ है, विज्ञापनकर्ताओं को इस संबंध में पत्र भेजे गए हैं जिनमें विधि, वित्त और प्रबंध पर आधारित योग्यताओं वाले विभिन्न पदों के लिए कंपनी सचिव की महत्वपूर्ण भूमिका का दिग्दर्शन कराया गया। इंस्टीट्यूट के सुझाव पर कुछ विज्ञापनकर्ताओं के वित्त, विधि और प्रबंध के क्षेत्रों से सम्बद्ध पदों के लिए इंस्टीट्यूट की सव्ययता को एक वैकल्पिक योग्यता के रूप में शामिल कर लिया है।

15. व्यवसाय की मान्यता

15.1 प्रैक्टिसर कम्पनी सचिव

इंस्टीट्यूट ने कंपनी सचिवों के लिए प्रैक्टिस संबंधी क्षेत्रों का विस्तार करने का प्रयास जारी रखा। वित्त मंत्रालय के पूंजी निर्गम नियंत्रक को अभ्यावेदन दिया गया है कि वह सम्बद्ध कंपनियों के प्रोसेप्टम के प्रमाणिकरण तथा सूचीबद्ध आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए प्रैक्टिसरम

कंपनी सचिवों की मान्यता प्रदान करें। इसके अलावा वित्तीय संस्थानों/निगमों तथा कंपनी विधि बोर्ड, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और बैंकों जैसे विभिन्न सरकारी प्राधिकरणों को भी प्रैक्टिसर कम्पनी सचिवों की मान्यता देने के लिए अभ्यावेदन प्रस्तुत किए गए हैं और इस बारे में अनुवर्ती कार्रवाई लगातार की गई है। वर्ष के दौरान आयात-निर्यात नीति के अधीन तथा राज्य वित्तीय/निवेश निगमों से और मान्यताएं प्राप्त हुई हैं।

15.2 प्राप्त मान्यताओं की सूची

प्रैक्टिस तथा रोजगार के लिए कंपनी सचिव की मान्यताओं का व्यौरा हम रिपोर्ट के परिशिष्ट "क" में दिया गया है।

15.3 विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता

वर्ष 1986-87 में विश्वविद्यालयों के वाणिज्य संकाय में पी. एच. डी. पाठ्यक्रम आदि के लिए इंस्टीट्यूट की सव्ययता को बंगलौर विश्व-विद्यालय के वाणिज्य तथा प्रबंध विभाग ने मान्यता प्रदान कर दी है।

16. पत्र-हवा राष्ट्रीय सम्मेलन

26-28 मार्च, 1987 को नई दिल्ली के अशोक होटल में इंस्टीट्यूट ने "कार्पोरेट फिनान्सियल मैनेजमेंट" विषय पर कंपनी सचिवों का 15वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में लगभग 600 प्रति-निधियों ने भाग लिया। इसका उद्घाटन उद्योग मंत्री श्री जे. बंगल राव ने किया और सम्मेलन को संबोधित करने वाले अन्य लोगों में से श्री बी. के. दूर, अध्यक्ष कंपनी विधि बोर्ड तथा सचिव कंपनी कार्य विभाग और लोक उद्यम तथा उद्योगाति श्री के. एन. मोदी भी थे। भारतकरोती सत्रों की अध्यक्षता सर्व श्री एस. एस. नाबकर्णी, अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, श्री पी. एस. गोपालाकृष्णन, अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक ओरियन्टल बैंक आफ कामर्स, श्री सी. के. टिक्कू अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और डा. सी. रंगारजन डिप्टी गवर्नर, रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने की। "प्रोफेशनलाइजेशन आफ कार्पोरेट मैनेजमेंट" विषय पर एक प्रीमिजोन सत्र में वरिष्ठ अधिकारी, डा. एन. के. तेनगुप्ता ने भाषण दिया।

विद्यार्थियों का पंजीकरण और विद्यार्थी सेवाएं

17. विद्यार्थियों का पंजीकरण

रिपोर्टधीन वर्ष में 7952 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए। इस वर्ष के अंत में वर्तमान पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 51,020 है जिनमें वे भी शामिल हैं जिनका पंजीकरण विलियम 21(3) के अंतर्गत बढ़ाया गया है। ऐसे पंजीकृत विद्यार्थियों, परीक्षार्थियों की बड़ी हुई संख्या जिन्होंने इण्टर-मीडियट और फाइनल परीक्षाएं उत्तीर्ण कर लीं तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए मान्यता प्राप्त कंपनियों की संख्या संबंधी विवरण इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "ब" में दिया गया है।

18. पाठ्य विवरण और शिक्षण

18.1 नये पाठ्य-विवरणों के लिए अध्ययन सामग्री

नया पाठ्य विवरण 1 फरवरी, 1986 से लागू हो गया है। प्रीलीमनरी और इंटरमीडिएट पाठ्यक्रमों की अध्ययन सामग्री और इन 2 पाठ्यक्रमों से संबंधित परीक्षा पत्रों के संभावित उत्तरों का प्रकाशन निर्धारित समय के अन्तर कर दिया गया और इन्हें विद्यार्थियों को दे दिया गया। नये पाठ्य विवरण के अधीन फाइनल पाठ्यक्रम के 9 प्रश्नपत्रों में से 7 प्रश्न-पत्रों की अध्ययन सामग्री इस वर्ष पूरी कर ली गई और अन्य 2 प्रश्न-पत्रों के संबंध में काम चल रहा है।

18.2 पुराने पाठ्य विवरण की अध्ययन सामग्री की अध्ययन करना पुराने पाठ्यक्रम की शैक्षिक सामग्री पर भी लगातार समीक्षा की जाती रही है। विभिन्न संविधियों में हुए संशोधनों से संबंधित मामलों के

कामून इसमें शामिल किये गये हैं और इस वर्ष निर्गमित कानूनों से संबंधित अध्ययन सामग्री में भी पुनः संशोधन किया गया है। पुरुषे पाठ्य विवरण के अंतर्गत जून और दिसम्बर 1986 में हुए परीक्षाओं के मार्ग-निर्देशी उत्तरों का प्रकाशन भी विद्यार्थियों के लाभ के लिए निर्धारित समय के अन्दर कर लिया गया है।

18.3 विद्यार्थियों के लिए डाक द्वारा शिक्षण

इस वर्ष पंजीकृत किए गए सभी विद्यार्थियों को डाक द्वारा शिक्षण के लिए वर्ज कर लिया गया। रिपोर्टीसीन वर्ष के दौरान कुल 11,372 शिक्षण समापन प्रमाण पत्र जारी किए गए। विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं के अधीन चयन रहे 18 अर्जमान मौखिक शिक्षण केन्द्र अपना काम करते रहे।

18.4 शैक्षिक और प्रशिक्षण सुविधाओं को मजबूत बनाना

वर्तमान प्रशिक्षण और शैक्षिक सुविधाओं को मजबूत बनाने की दृष्टि से और विश्वविद्यालय के साथ प्रभावकारी संपर्क रखने के लिए प्रशिक्षण और शैक्षिक सुविधा समिति की 3 उपसमितियां गठित की गईं, नीचे दी गई प्रत्येक उपसमिति में 1-3 सदस्य रखे गए।—

- (i) प्रशिक्षण उप समिति।
- (ii) शैक्षिक सुविधाओं की उप समिति।
- (iii) विश्वविद्यालय संपर्क उप समिति।

18.5 विश्वविद्यालय के साथ संपर्क

विश्वविद्यालय संपर्क उप समिति का काम विश्वविद्यालय और उनके सम्बद्ध कलेजों में कंपनी सेक्रेटरीशिप पाठ्यक्रमों के प्रति सामान्य जागरूकता पैदा करना होगा और पाठ्यक्रम में प्रतिभावान तथा ठीक प्रकार के विद्यार्थियों को आकर्षित करने में सहयोग प्रदान करना होगा। क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को भनाई दी गई है कि वे अपनी-अपनी विश्वविद्यालयों संपर्क समितियां अपने क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के साथ अंतःक्रिया स्थापित करने के लिए गठित करें। विश्वविद्यालयों को जो सुझाव दिए गए हैं उनमें कांपरिटि सेक्रेटरीशिप पाठ्यक्रम में डिग्री स्तर पर बी.ए. पाठ्यक्रम चलाना या इसके विकल्प में वर्तमान बी. काम. स्तर पर सेक्रेटरीयल प्रैक्टिस में ऐच्छिक रूप में 3 प्रत्येक रखना शामिल है। यह भी सुझाव दिया गया है कि अंतिम वर्ष से बढ़ रहे स्नातकों के लिए कौन्सल प्रदर्शनिया और वार्षिक आयोजित की जाएं। प्रतिभा संपन्न विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार योजनाएं चलाई जाएं तथा पी. एच. डी. के लिए इंस्टीट्यूट संवस्यता को मान्यता प्रदान की जाए और कुछ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लेक्चरर नियुक्त किए जाएं।

18.6 स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी

जनवरी 1984 में विद्यार्थियों के लिए आरम्भ किए गए मासिक बुलेटिन स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी का प्रकाशन और प्रेषण समय पर होता रहा। बुलेटिन के विषयों और शैक्षिक निर्देशन की उपयोगिता में और अधिका सुधार करने के दृष्टिकोण से इंस्टीट्यूट के अनुसंधान पर 50 वर्ष के अनुभवी लेक्चरर तथा इंस्टीट्यूट के प्रथम अध्ययन निदेशक प्रो. एम. सी. गुप्ता ने फरवरी 1987 से बुलेटिन में अपने लेख बना आरम्भ कर दिया है। यह बुलेटिन संविधि परिवर्तनों तथा केस लाज के संकलन के रूप में तैयार किया जाता है और इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को संबंधित विषयों पर नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराना उनकी अध्ययन सामग्री तथा विषय की जानकारी को लगातार अद्यतन बनाए रखना है।

18.7 आर्यो/बीडियो टेपों पर लेक्चर

पिछले वर्ष तैयार की गई प्रायोगिक बीडियो टेप के विषयों का पुनः-रीक्षण करने और उनकी पुनः समीक्षा करने के बाव अन्तः सह तय किया

गया है कि शैक्षिक सामग्री के पूरक के रूप में पहले व्यावसायिकों की मदद से कुछ आर्यो टेप तैयार की जाएं।

19. सदस्यता-उपरांत परीक्षा

कंपनी मामलों के विभाग के भूतपूर्व सचिव श्री के. एम. भट्टाचार्य की अध्यक्षता में सदस्यता उपरांत परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण तैयार करने और परीक्षा को तैयार करने के लिए पाठ्य विवरण के लिए पाठ्य-क्रम की विषय सूची तैयार करने के लिए गठित की गई समिति का पुनः-गठन किया गया। उनकी रिपोर्ट इस वर्ष के अंत तक मिलने की संभावना है।

20. परीक्षाएं

इस वर्ष इंस्टीट्यूट ने दो परीक्षाएं जून और दिसम्बर 1986 में कीं। सारे देश में इन परीक्षाओं के 37 केन्द्रों में और विदेश में दुबई में एक केन्द्र था। जून 1986 के सत्र में 903 और 246 परीक्षार्थियों ने और दिसम्बर 1986 में 778 और 264 परीक्षार्थियों ने क्रमशः इण्टरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। नया पाठ्य विवरण शुरू करने के कारण नए पाठ्य विवरण के अंतर्गत प्रोत्साहितरी परीक्षा तथा पुरुषे और नए पाठ्य विवरणों के अनुसार इण्टरमीडिएट परीक्षाएं पहली बार क्रमशः जून तथा दिसम्बर 1986 सत्रों में शुरू की गईं। नए पाठ्य विवरण के अनुसार फाइनल परीक्षा भी जून 1987 में ली जाएगी। इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं में बैठने वाले और सकल बोधित परीक्षार्थियों की संख्या के आंकड़े परिशिष्ट "छ" में दिए गए हैं।

21. प्रथम भारतीय पुरस्कार

21.1 जून 1986 सत्र के लिए उत्तरी क्षेत्र के श्री अरविशित सिंह ने तथा दिसम्बर 1986 सत्र के लिए दक्षिणी क्षेत्र के लिए श्री आर. श्रीराम ने फाइनल परीक्षा के लिए प्रेजीडेंट स्वर्ण मंडल जीता और क्रमशः जून 1986 तथा दिसम्बर 1986 सत्रों के लिए पश्चिमी क्षेत्र के सर्व-श्री श्रीकांत एम. माते तथा रमेश रंगारानी इण्टरमीडिएट परीक्षा के लिए प्रेजीडेंट रजत मंडल के विजेता रहे।

21.2 दिसम्बर 1985 तथा जून 1986 में इंस्टीट्यूट की कंपनी सेक्रेटरी की परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ रहने के लिए मान्यता प्रदान करने के लिए इंस्टीट्यूट द्वारा शुरू किए गए प्रथम भारतीय पुरस्कारों का वितरण 26 मार्च 1987 को नई दिल्ली में हुए कंपनी सचिवों के पन्द्रहवें सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में माननीय उद्योग मंत्री श्री जे. वेंगलराम के हाथों से सम्पन्न हुआ।

21.3 विश्वविद्यालय परीक्षाओं के लिए पुरस्कार

नए कॉमर्स ग्रेजुएटों में कंपनी सेक्रेटरीशिप पाठ्यक्रम को लोकप्रिय बनाने तथा सभी विश्वविद्यालयों में प्रतिभासम्पन्न विद्यार्थियों को इस पाठ्यक्रम के लिए आकर्षित करने के लिए इंस्टीट्यूट ने एक पुरस्कार योजना आरम्भ की है। सिद्धान्त रूप में अब तक नौ विश्वविद्यालय इस पुरस्कार योजना को आरम्भ करने के लिए सहमत हो गए हैं, ये विश्वविद्यालय हैं—बंगलौर, गुवाहाटी, गुजरात, काश्मीर, मद्रास, मणिपुर, मैसूर, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय और उसमानिया विश्वविद्यालय।

22. विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

वर्तमान योग्यता छात्रवृत्ति योजना के अनुसार जून 1986 तथा दिसम्बर 1986 में इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं में योग्य पाए गए क्रमशः 10 और 11 विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां दी गईं। योग्यता व वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत इंस्टीट्यूट ने दिसम्बर 1986 तथा जून 1986 की परीक्षा में योग्य पाए गए क्रमशः 9 और 10 विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता मंजूर की।

23. परीक्षाओं में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

व्यावसायिक परीक्षाओं में हिंदी को धीरे-धीरे आरम्भ करने के सरकार के परामर्श को ध्यान में रखते हुए प्रीलीमिनरी परीक्षा में हिंदी में उत्तर लिखने का चलन आरम्भ करने के अलावा परिषद ने दिसम्बर 1986 सत्र से पुराने तथा नए दोनों पाठ्य विवरणों की इंटरमीडिएट परीक्षाओं के दोनों स्तरों में भी हिंदी माध्यम से उत्तर लिखने का विकल्प देने का निर्णय लिया है।

24. दुबई में परीक्षा केन्द्र

दिसम्बर 1985 सत्र से प्रयोगात्मक आधार पर दुबई में खोले गए विदेशी केन्द्र में जून और दिसम्बर 1986 सत्रों में इंस्टीट्यूट की परीक्षाएं आयोजित की जाती रही।

25. प्रबन्ध/प्रशिक्षुता प्रशिक्षण

बिनियम 48 के अनुसार प्रत्येक परीक्षार्थी को फाइनेल परीक्षा पास करने के बाद बिनियमावली में निर्धारित अवधि के लिए या तो व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना होता है या प्रेक्टिसरल कम्पनी सेक्टर की अधीन प्रबंध प्रशिक्षण या प्रशिक्षुता प्राप्त करनी होती है। प्रशिक्षण सुविधाएं और साधनों में सुधार करने और उन्हें और मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण निर्देश विस्तृत रूप में तैयार किये गये हैं और इन्हें प्रशिक्षार्थियों तथा प्रशिक्षण कम्पनियों में परिचालन करने के लिए प्रकाशित किया गया है। इन निर्देशों में प्रशिक्षण व्यवस्थाओं को प्रभावकारी ढंग से मानीटर करने सम्बन्धी प्रावधान, प्रशिक्षार्थी द्वारा जारी रखना, हर तिमाही परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करना तथा प्रशिक्षण कम्पनी और कम्पनियों के रजिस्ट्रारों, स्टॉक एक्सचेंजों तथा वित्तीय संस्थानों जैसी विशेष एजेंसियों के प्रत्येक विभाग में प्रशिक्षण क्षेत्रों के उदाहरण दिये गये हैं। परिषद ने पहले ही एक योजना आरम्भ कर दी है जिसके अंतर्गत देश के सभी भागों की प्रख्यात पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों में बड़े पैमाने पर काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को प्रबन्ध प्रशिक्षण देने के लिए सहमति प्राप्त कर ली है। इन विद्यार्थियों में वे भी शामिल हैं जिन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

25.1 प्रबन्ध प्रशिक्षण

इस वर्ष प्रबन्ध प्रशिक्षण देने के लिए 62 और कर्मचारियों का सूची में दर्ज कर लिया गया है। इसके साथ ही अब तक 120 कम्पनियों ऐसी हो गई हैं जो इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित उम्मीदवारों को एक वर्ष का प्रबन्ध प्रशिक्षण देने के लिए सहमत हो चुकी हैं। अधिकांश कम्पनियों ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान स्ट्राइक देना भी मान लिया है।

25.2 प्रशिक्षुता प्रशिक्षण

इस वर्ष कम्पनी सचिव बिनियमावली 1982 के बिनियम 48 के अनुसरण में इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित उम्मीदवारों को, प्रशिक्षुता/प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 12 और प्रेक्टिसरल कम्पनी सेक्टर सहमत हो गये हैं। इस वर्ष के अंत तक जो प्रेक्टिसरल कम्पनी सचिव प्रशिक्षुता प्रदान करने के लिए सहमत हो गये हैं उनकी संख्या 26 हो गई है।

26. व्यावहारिक प्रशिक्षण

26.1 प्रतिरिक्त कम्पनियों को मान्यता

इस वर्ष इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित उम्मीदवारों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कम्पनियों की सूची में 66 और कम्पनियां जुड़ गई हैं। इस वर्ष के अंत में ऐसी कुल 580 कम्पनियां हो गई हैं। ऐसी मान्यता प्राप्त कम्पनियों में फाइनेल परीक्षा पास करने वाले 326 उम्मीदवारों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए आयोजित किया गया।

26.2 विशेष एजेंसियों द्वारा प्रशिक्षण

कम्पनियों के 18 रजिस्ट्रारों के अलावा 14 वित्तीय और वित्तीय संस्थानों और 12 स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित उम्मीदवारों को 15 दिवसीय प्रशिक्षण देना स्वीकार कर लिया है।

26.3 माइयूनर प्रशिक्षण कार्यक्रम

विद्यार्थियों के लिए प्रथम माइयूनर प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 जुलाई से 23 जुलाई 1986 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया। फिनिंग के मूल संवैध और फार्म भरने, नोट्स की बैठकों, पब्लिक निर्णयों तथा श्रृण प्रवेशकों के अलावा कार्यक्रम में भाग लेने वालों को सामान्य प्रबन्ध के विषय पर कुछ अध्ययन कराया गया, उदाहरण के लिए संचार और कामिकों के बीच पारस्परिक सम्बन्ध तथा कामिकों के बीच पारस्परिक सम्बन्धों पर केस अध्ययन, औद्योगिक वातावरण तथा उत्पादन योजना इत्यादि जैसे विषय शामिल रहे। दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहली बार वीडियो/प्रोजेक्टो माध्यमों के माध्यम से शिक्षा देने का कार्य आरम्भ किया गया।

योजनाओं आदि के परिष्करण के बारे में प्राप्त सुझावों के आधार पर चार माइयूनर के पाठ्यक्रम की सामग्री में संशोधन/परिवर्द्धन किया गया। निम्नलिखित क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं में उनके मामले की गई तारीखों को 15 दिवसीय माइयूनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किया गया :—

- | | |
|--|----------------|
| (1) पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद, कलकत्ता | 20 फरवरी, 1987 |
| (2) अहमदाबाद शाखा | 23 फरवरी, 1987 |
| (3) पश्चिम भारत क्षेत्रीय परिषद, बम्बई | 4 मार्च, 1987 |
| (4) दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद, मद्रास | 9 मार्च, 1987 |
- लेख और लेखा परीक्षा

27. लेख, रिजर्व और अधिशेष

अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (5) के अनुसरण में 31 मार्च 1987 को समाप्त होने वाले वर्ष के लेखा परीक्षित लेखों यहां प्रकाशित किए जा रहे हैं।

27.1 आय और व्यय लेख

1986-87 वर्ष के आय और व्यय लेखों में पिछले वर्ष के रु. 6,36,837 के अधिशेष की तुलना में रु. 40,965 का अधिशेष रहा है। अधिशेष में कमी होने का मुख्य कारण एक और दो सेवाओं के व्यय में वृद्धि है और दूसरी ओर 1 फरवरी 1986 से लागू नए पाठ्य विवरण के आरम्भ से विद्यार्थियों के पंजीकरण में हुई कमी है। परिषद द्वारा चौथे वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर इंस्टीट्यूट के कर्मचारियों के लिए संशोधित वेतनमान कार्यान्वयन करने का स्वीकृति प्रदान करने के कारण इस वर्ष स्थापना के वर्ष में भी बढ़ोतरी हुई है। पूंजी और राजस्व व्यय का मानीटर करने, विद्यार्थियों के पंजीकरण को बढ़ाने तथा समुचित रूप में फीम में संशोधन करने के लिए उचित उपाय किए गए हैं जिससे अगले वर्ष में किसी भी घाटे से बचा जा सके।

27.2 शुल्क का पूर्णकरण

पूर्व प्रचलित पद्धति के अनुसार एनोसिफिट और फीलों सदस्यों से प्राप्त रु. 1,33,100 के प्रवेश शुल्क को पूंजीकृत कर दिया गया है। वर्ष के अंत में पूंजीकृत राशि 16,95,525 रु. थी।

27.3 रिजर्व और अधिशेष

आवधि जमा राशि पर अर्जित व्याज की रु. 3,83,994 की राशि भवन रिजर्व लेखों में सीधे बिनियोजित कर दी गई है। इस वर्ष मद्रास में दक्षिणी भारत परिषद तथा बड़ोदा और बॉम्बेवली शाखाओं के लिए

कार्यालय के परिमरों के अधिग्रहण के लिए रु. 2,17,929 का पूंजीगत भुगतान किया गया जिसे सामान्य रिजर्व खाते में प्रंतरित कर दिया गया है। 31 मार्च 1987 को कुल सामान्य रिजर्व रु. 1,11,12,417 था।

27.4 वित्तीय स्थिति का सारांश

वित्तीय स्थिति का सारांश इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "ज" में दिया गया है।

28. भूमि और भवनों में प्रतिरिक्त निर्माण

28.1 दोम्बोवली शाखा के लिए कार्यालय परिसर

दोम्बोवली शाखा के लिए इस वर्ष 560 वर्ग फुट का एक प्लॉट विधानद अपार्टमेंट्स, तिलक रोड, निकट डाकघर, दोम्बोवली (पूर्व) में उक्त शाखा के कार्यस्थल के रूप में खरीदा गया।

28.2 बंगलौर शाखा के लिए कार्यालय परिसर

"शरीफ चैम्बर", 14, कनिधम, रोड, बंगलौर में बंगलौर शाखा के कार्यालय के लिए लगभग 1600 वर्ग फुट का एक अपार्टमेंट लेने के लिए अंतिम रूप दे दिया गया है। यह भवन निर्माणाधीन है और 1987 के उत्तरार्द्ध में इस भवन का अधिकार मिल जाने की सम्भावना है।

29. लेखा परीक्षक

अधिमियम की धारा 18(4) के अनुसरण में परिषद ने मैमर्स डी.के. मेनगुप्ता एंड कं. चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स, नई दिल्ली को 31 मार्च 1987 को समाप्त वर्ष के लेखों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के रूप में पुनः नियुक्त किया। लेखा परीक्षक की रिपोर्ट तथा लेखों का विवरण यहाँ प्रकाशित किया जा रहा है।

निष्कर्ष

30. आभार और सम्बुद्धि

इंस्टीट्यूट केन्द्रीय सरकार के मंत्रियों और केन्द्र सरकार के अधिकाधिकारियों, विशेष रूप से कम्पनी कार्य विभाग, का उनके द्वारा सुरक्षण, व्यवसाय में मार्गदर्शन और इंस्टीट्यूट की इस वर्ष की गतिविधियों में अपना समर्थन प्रदान करने के लिए आभार प्रकट करता है। क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं ने अपने क्षेत्र में व्यवसाय के विकास में परिषद को पर्याप्त सहायता प्रदान की। राज्य सरकारों, सामान्य रूप से निम्न क्षेत्र तथा देश के विभिन्न वाणिज्य चैम्बरों ने इंस्टीट्यूट के इस अनुसंधान को स्वीकार किया है कि व्यवसाय की वृद्धि में सहयोग और मदद्यों की आवश्यकता प्रदान किए जाएंगे।

परिषद अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा इस वर्ष इंस्टीट्यूट की नीतियों और कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा से क्रियान्वित करने के लिए उनके द्वारा किए गए सत्यनिष्ठ और कार्यों के प्रति निष्ठा के लिए उनकी गहन प्रशंसा करती है।

कृते इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज
आफ इण्डिया की परिषद

नई दिल्ली:

दिनांक: 17 अगस्त, 1987

(आर. रामचन्द्रन)

अध्यक्ष

परिशिष्ट 'क'

1987 की स्थायी व अस्थायी समितियां तथा संपादकीय सलाहकार बोर्ड

I. स्थायी समितियां

1. कार्यकारी समिति

श्री आर. रामचन्द्रन	अध्यक्ष
श्री बी.एस. होराइस्वामी	उपाध्यक्ष
श्री बी.के. मजोब्रा	सदस्य
श्री आर.बी. नागराज	सदस्य
श्री बी.पी. धनुका	सदस्य

2. अनुशासन समिति

श्री आर. रामचन्द्रन	अध्यक्ष
श्री बी.के. मजोब्रा	सदस्य
श्री बी.आर. अग्निहोत्री	सदस्य

(सरकारी नामित)

3. परीक्षा समिति

श्री बी.एस. होराइस्वामी	अध्यक्ष
श्री डी.सी. जैन	सदस्य
श्री प्रमोद एस शाह	सदस्य

II. अस्थायी समितियां

1. प्रशिक्षण तथा शिक्षा सुविधा समिति

श्री बी.एस. होराइस्वामी	अध्यक्ष
प्रो. पुष्पपाल सिंह	सदस्य
श्री एस.के. टुटेजा	सदस्य
श्री बी.पी. धनुका	सदस्य
श्री डी.सी. जैन	सदस्य
श्री डी.के. प्रहलाद राव	सदस्य
श्री श्यामल मेन	सदस्य
श्री सी.आर. शाह	सदस्य
श्री प्रमोद एस. शाह	सदस्य

2. व्यावसायिक विकास समिति

श्री आर. रामचन्द्रन	अध्यक्ष
श्री एस.के. टुटेजा	सदस्य
श्री बी.पी.आर. बिट्टल	सदस्य
श्री बी.आर. अग्निहोत्री	सदस्य
श्री आर. कृष्णन	सदस्य
श्री डी.के. प्रहलाद राव	सदस्य
श्री जी.बी. राव	सदस्य
श्री श्यामल मेन	सदस्य
श्री सी.आर. शाह	सदस्य

3. पत्र-प्रवृत्ति सदस्यता समिति

श्री के.एस. भटनागर	अध्यक्ष
डा. गौरी शंकर	सदस्य
श्री मन मोहन सिंह	सदस्य
श्री मोहिन्द्र पाल पुरी	सदस्य
प्रो. पुष्पपाल सिंह	सदस्य
श्री सी.आर. शाह	सदस्य

4. समन्वय समिति

श्री आर. रामचन्द्रन	अध्यक्ष
श्री बी.एस. होराइस्वामी	सदस्य
श्री बी.आर. अग्निहोत्री	सदस्य
श्री आर. कृष्णन	सदस्य
श्री आर.पी. नागराज	सदस्य
श्री डी.बी. राव	सदस्य

5. संघातीय सलाहकार बोर्ड

श्री आर. बी. नागराजन्	अध्यक्ष
श्री यू. के. चौधरी	सदस्य
श्री दलीप गोस्वामी	सदस्य
श्री बी. टी. हिन्दूजा	सदस्य
श्री एन. एम. मिश्र	सदस्य
श्री आर. मंगलम	सदस्य
श्री सी. आर. गान्ध	सदस्य
श्री टी. पी. मुखर्जन	संयोजक और प्रकाशक
श्री बी. बालू	संपादक

परिशिष्ट 'ख'

क्षेत्रीय परिषदों की वर्ष 1986-87 की वार्षिक रिपोर्टों में दी गई

गतिविधियों का संक्षेप

पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद

इस वर्ष क्षेत्रीय परिषद ने कई व्यावसायिक विकास के कार्यक्रमों और कार्यक्रमों को हाथ में लिया। हमने सात बैठकें, दो विचार गोष्ठियाँ, दो कार्यशालाएँ और चार संगोष्ठियाँ आयोजित की। क्षेत्रीय परिषद द्वारा 8 नवम्बर 1986 को एक विचार गोष्ठी आई सी एम ए के साथ संयुक्त रूप से मिलकर "प्रबन्ध लेखाकार, कम्पनी सचिव तथा कम्प्यूटर" विषय पर रखी गई और दूसरी गोष्ठी 17 जनवरी 1987 को "निवेश जमा खाता योजना 1986" पर रखी गई। 30 मार्च 1986 को "केन्द्रीय उत्पाद शुल्क" और 24 मई 1986 को "प्रसार उद्भावना तथा पंजीकरण" पर दो कार्यशालाएँ आयोजित की गई। अखिल भारतीय निर्माता संघ के सहयोग से 3 मई 1986 को निर्गमित ऋण तथा अन्तर्निर्गमित जमा राशि विषय पर, 27 सितम्बर 1986 को "नाकासा औद्योगिक कम्पनी (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1985" विषय पर संगोष्ठियाँ रखी गई तथा बी एन सी सी आई के सहयोग से 2 नवम्बर 1986 को "प्रसारों का पंजीकरण" तथा 14 मार्च 1987 को "प्रतिभूति सविद्या (विनिर्देश 1958) पर अन्तर् संगोष्ठियाँ आयोजित की गई। "परिवर्तनीय निगम दुष्प्रावधानी तथा कम्पनी सचिव व्यवसाय" विषय पर प्रथम क्षेत्रीय सम्मेलन 9/10 जनवरी 1987 को आयोजित किया गया।

20 फरवरी 1987 को पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद द्वारा आयोजित प्रथम भाङ्गमूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अनवरत शिक्षा कार्यक्रम के एक भाग के रूप में क्षेत्रीय परिषद ने एमानिस्टेड कार्पोरेट कंसल्टेंट्स के साथ मिर्गुर कम्प्यूटर मूल्यांकन (एप्रोपिएशन) पाठ्यक्रम का शुभारम्भ किया और इसका प्रथम सत्र 20 वित के लिए 25 फरवरी 1987 को रखा गया। 19 अप्रैल 1986 को सदस्य और विद्यार्थी एक रात्रिभोज में मिले और 6 मार्च 1987 को वार्षिक रात्रिभोज आयोजित किया गया। इसके अलावा इस वर्ष पाँच अध्ययन सत्रों के बैठकें आयोजित की गई। क्षेत्रीय परिषद ने विद्यार्थियों के लिए मौखिक शिक्षण कक्षाएँ चलाता जारी रखा और गणितों के लिए नामित न्यूज बुलेटिन प्रकाशित किया। सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए दो रोजगार पंथ बनाए रखे और अनेकों मामलों में क्षेत्रीय परिषद द्वारा दी गई सूची के उम्मीदवारों में से उम्मीदवार चुने गए। वर्ष के दौरान पुस्तकालय में 108 नई पुस्तकें शामिल की गई। क्षेत्र की पांच शाखाओं में से वर्ष 1985-86 के लिए नवीं शाखा को क्षेत्र की सर्वोत्तम शाखा का प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ।

उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद

इस वर्ष के दौरान क्षेत्रीय परिषद की गतिविधि और कार्यक्रमों के अन्तर्गत व्यावसायिक रुचि के विषयों पर 8 शालाएँ और 2 बैठकें हुई। एह बैठक में इन्स्टीट्यूट के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का अभिनन्दन किया गया और दूसरी बैठक में कम्पनी विधि बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक श्री सी. आर.

मेहता का अभिनन्दन किया गया। इसके अलावा 11 अध्ययन सत्रों के बैठकें आयोजित की गई और सदस्यों के साथ के लिए रिपोर्टों के एकत्रित में दो और आयोजित किये गये। इसके अतिरिक्त इन्स्टीट्यूट के पराधि-कारियों के साथ विद्यार्थियों की दो बैठकें हुई और 31 जुलाई 1986 को क्षेत्रीय परिषद के स्थापना दिवस पर सदस्यों और विद्यार्थियों का एक वार्षिक सम्मेलन और मिनट समारोह आयोजित किया गया। क्षेत्रीय परिषद के सदस्यों ने लखनऊ और कानपुर शाखाओं का दौरा किया और इन शाखाओं की गतिविधियों के बारे में सूचना प्राप्त की गई। 31 अगस्त 1986 को क्षेत्रीय परिषद के सदस्यों की एक बैठक क्षेत्रीय परिषद के सदस्यों के साथ आयोजित की गई। क्षेत्रीय परिषद द्वारा इससे पहले आयोजित कम्पनी सचिव सहायरी समूह आवास समिति के गठन की सर्वा औपचारिकताएँ सहायरी समिति अधिनियम के अन्तर्गत हम वर्ष पूरी कर ली गई और एक उपायुक्त भूखण्ड को एलाट करने के लिए प्रयास किये गये।

क्षेत्रीय परिषद मौखिक शिक्षण कक्षाएँ परीक्षा पूर्व पुनर्स्थापना की कक्षाएँ चलाई रही और विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय की सुविधाओं में सुधार किया। वार्षिक न्यूज बुलेटिन नियमित रूप से प्रकाशित होता रहा। नौ शाखाओं में से 8 शाखाओं ने इस वर्ष अपनी गतिविधियों की रिपोर्ट दी और कानपुर शाखा को 1985-86 वर्ष के लिए क्षेत्र की सर्वोत्तम शाखा का प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ।

दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद

क्षेत्रीय परिषद अध्ययनों सत्रों बैठकों और अन्य गतिविधियों के अलावा व्यावसायिक रुचि के विषयों पर प्रतिमास औसत एक बैठक आयोजित की। इन विषयों में "औद्योगिक साहसिकीकरण-उद्योग और इसके बाद की स्थिति", "नाइबेट नियमावली और प्रक्रिया", "विदेशी सहयोग के अधिकार संबंधी पहलू", "सार्वजनिक निर्माण-मॉन्ट बैंकिंग की भूमिका" विषय शामिल हैं। "निदेशकों के कर्तव्य, उत्तरदायित्व और देयताएँ" विषय पर एक कार्यशाला 26 जुलाई, 1986 को रखी गई और 13 दिसम्बर 1986 को "मानव संसाधन विकास" पर एक संगोष्ठी रखी गई। 23 और 24 अगस्त 1986 को बैंगलोर में 12 वें क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर्नाटक के राज्यपाल श्री ए. एन. बैनर्जी ने 23 अगस्त 1986 को पूर्वाह्न में किया। 27 फरवरी और 5 मार्च 1987 के बीच एक कम्प्यूटर मूल्यांकन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। क्षेत्रीय परिषद ने "इनफोरमैक्स-1987" में भाग लिया जो पाठ्यक्रम और शिक्षकवर्ग पर एक प्रवर्षनी थी जिसे गद्यम विषयविद्यालय के विद्यार्थी सहायक रूयूने ने मार्च 1987 में आयोजित किया था। क्षेत्रीय परिषद ने 9 मार्च 1987 को पहला सचिवीय पाठ्यमूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद के भवन का औपचारिक रूप से उद्घाटन तमिलनाडू सरकार के माननीय उद्योग और कृषि मंत्री श्री के. राजाराम ने 6 दिसम्बर 1986 को किया।

इसके अलावा इन्स्टीट्यूट के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए अभिनन्दन समारोह, विद्यार्थियों की बैठक तथा प्रेक्टिसर कम्पनी सचिवों के साथ एक बैठक 25 फरवरी 1987 को रखी गई। 26 फरवरी 1987 को विभिन्न कालेजों के वाणिज्य, विधि और प्रबन्ध विभागों के अध्यक्षों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस क्षेत्र में 10 शाखाओं में से 3 शाखाओं ने इस वर्ष की गतिविधियों की रिपोर्ट दी और बैंगलोर शाखा को वर्ष 1985-86 के लिए क्षेत्र की सर्वोत्तम शाखा का प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। क्षेत्रीय परिषद मौखिक शिक्षण कक्षाएँ चलाई रही और नियमित रूप से वार्षिक न्यूज लेटर प्रकाशित करती रही।

पश्चिम भारत क्षेत्रीय परिषद

क्षेत्रीय परिषद ने इस वर्ष के दौरान अनेकों कार्यक्रम रखे और इस परिषद में सबसे अधिक सदस्यों की संख्या बनी रही और साथ ही इसके अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत प्रेक्टिस का प्रमाण-पत्र रखने वाले सदस्यों की संख्या भी सबसे अधिक रही।

इस वर्ष के दौरान इस ने 5 क्षेत्रीय बैठके, कमलों बिधि पर 5 संयुक्त बैठके, 3 क्षेत्रीय अध्ययन सत्र बैठके और इन्स्टीट्यूट आफ चाटिंग एकाडमी ऑफ इण्डिया की पश्चिम भारत क्षेत्रीय परिषद के साथ एक संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया।

पहली बार ऐसा हुआ कि "निगम बिधि—विषय विषय" पर सम्मेलन नगर के बाहर पुणे में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया और इसका उद्घाटन संचुर, रेयन, पुणे के उपाध्यक्ष श्री एस.पी. गुप्ते ने किया। इसने इन्स्टीट्यूट के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा आयुक्त और जांचक कम्पनी रजिस्ट्रारों के सम्मान में अभिनन्दन बैठके भी आयोजित की। "नाकोरा औद्योगिक उद्यम" पर एक कार्यशाला, "कम्प्यूटर और कम्पनी सचिव" पर एक कम्प्यूटर मूल्यांकन पाठ्यक्रम, तथा फाइनेल परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए माइक्रो प्रशिक्षण कार्यक्रम ऐसे अन्य कार्यक्रम हैं जो इस क्षेत्रीय परिषद ने आयोजित किये। यह परिषद सीडनहम कांसेज आफ कामर्स एंड इकानामिक तथा एन.एम. कानेज आफ कामर्स के साथ मिलकर पुनर्चर्चा कक्षाएं तथा मौखिक शिक्षण कक्षाएं चलाती रही।

क्षेत्रीय परिषदों की वित्तीय स्थिति और चार क्षेत्रीय परिषदों में सदस्यों और विद्यार्थियों की संख्या

31 मार्च 1987 को समाप्त वर्ष को चार क्षेत्रीय परिषदों की रिपोर्ट के अनुसार तुलनात्मक वित्तीय स्थिति इस प्रकार है:—

I वित्तीय स्थिति

मद	क्षेत्रीय परिषदें			
	पूर्वी भारत	उत्तरी भारत	दक्षिणी भारत	प० भारत
	क्ष० प०	क्ष० प०	क्ष० प०	क्ष० प०
	रु०	रु०	रु०	रु०
वर्ष 31-3-87 के अन्त में अधिशेष	51,542	4,449	9,206	91,136
31-3-87 की रिजर्व और अधिशेष	2,44,923	6,52,519	4,60,303	5,49,819

II-विद्यार्थियों और सदस्यों की संख्या

	क्षेत्रीय परिषदें			
	पूर्वी भारत	उत्तरी भारत	दक्षिणी भारत	पश्चिमी भारत
	क्ष० प०	क्ष० प०	क्ष० प०	क्ष० प०
विद्यार्थी				
31-3-1986 को	6131	11415	12068	10355
31-3-87 को	7228	13903	13804	12352
सदस्य				
31-3-1986 को	878	1270	1451	2006
31-3-1987 को	922	1358	1547	2113

परिशिष्ट 'ग'

सदस्यों में वृद्धि

वर्ष	कुल संख्या			पिछले वर्ष की तुलना में वार्षिक वृद्धि	
	एसीगिएट सदस्य	फेलो सदस्य	कुल (2+3)	सकल	प्रतिशत
	1	2	3	4	5
क 1981-82	3286 (80.24)	809 (19.76)	4095 (100)	426	11.67

परिशिष्ट "ग" (जारी)					
1	2	3	4	5	6
1982-83	3563 (80.10)	885 (19.90)	4443 (100)	353	8.62
1983-84	3993 (80.73)	953 (19.27)	4946 (100)	498	11.20
1984-85	4264 (81.19)	988 (18.81)	5252 (100)	306	6.19
1985-86	4405 (78.59)	1200 (21.41)	5605 (100)	353	6.72
1986-87	4648 (78.25)	1292 (21.75)	5940 (100)	335	5.09
ख. 1981-82 से 1986-87 तक सकल परिवर्तन					
	1362 (73.82)	483 (26.18)	1845 (100)	---	---
ग. 1981-82 से 1986-87 तक प्रतिशत परिवर्तन					
	41.44	59.70	45.05	--	--
घ. औसत वार्षिक वृद्धि दर प्रतिशत					
	8.28	11.94	9.01	--	--
ङ. संयोजित वार्षिक वृद्धि दर प्रतिशत					
	7.18	9.82	7.72	--	--

रजिस्टर से निकाले गए			कुल सदस्यों में से		प्रैक्टिस प्रमाणपत्र	कुल सदस्यों में से	
भुगतान न करने के कारण			निकाले गए सदस्यों का प्रतिशत		धारकों की संख्या	प्रैक्टिस प्रमाणपत्र धारकों का प्रतिशत	
7	8	9	10	11	12		
47 (82.45)	10 (17.55)	57 (100)	1.39	394	9.62		
48 (81.35)	11 (18.65)	59 (100)	1.33	450	10.12		
52 (81.25)	12 (18.75)	64 (100)	1.29	556	11.24		
83 (88.29)	11 (11.71)	94 (100)	1.79	672	12.80		
98 (92.45)	8 (7.55)	106 (100)	1.89	749	13.36		
68 (82.92)	14 (17.08)	82 (100)	1.38	879	14.73		
21	4	25	--	--	--		
44.68	40	43.85	--	--	--		
8.94	8	8.77	--	--	--		
7.77	6.95	7.55	--	--	--		

टिप्पणी :--कोष्ठक में दिए गए आंकड़े प्रतिशत में हैं।

परिशिष्ट "घ"

प्रैक्टिस प्रमाणपत्रधारी सदस्यों में वृद्धि

वर्ष	वर्ष के दौरान जारी	वर्ष के दौरान नवीकरण	वर्ष के दौरान रद्द	वर्ष के दौरान निवल वृद्धि	31 मार्च को कुल प्रैक्टिस प्रमाणपत्र धारी सदस्यों की संख्या
1	2	3	4	5	6
क. 1981-82	80	314		79	394
1982-83	90	360		56	450
1983-84	136	42		76	556
1984-85	160			116	672
1985-86				77	749
1986-87	18			0	879

ख. सकल परिवर्तन 1981-82 से 1986-87 तक

485

परिशिष्ट 'घ' (जारी)

1	2	3	4	5	6
ग. प्रतिशत परिवर्तन 1981-82 से 1986-87 तक	---	---	---	---	123.09
घ. औसत वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)	---	---	---	---	24.61
ङ. संयोजित वार्षिक दर (प्रतिशत)	---	---	---	---	17.41

परिशिष्ट "ङ"

भाग-1

प्रेक्टिस में कार्यरत कम्पनी सचिव के लिए मान्यतायें

क्र० सं०	विधि/प्राधिकार	प्रयोजन	मान्यता कब मिली
1	2	3	4
संविधियाँ, नियमावली और विनियमावली			
1.	घन-कर नियमावली 1957 ¹ नियम [8 क (7)]	स्टॉक-शेयर, डिबेंचर इत्यादि के मूल्यांकन के रूप में पंजीकरण के लिए मान्यता	अक्तूबर 1974
2.	कम्पनी विधि बोर्ड पीठ नियमावली 1975 ¹ (नियम 28)	कम्पनी विधि बोर्ड पीठिकाओं के समक्ष अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य के लिए	दिसम्बर 1975
3.	आयकर अधिनियम 1961 ¹ और आयकर नियमावली 1962 ¹ (धारा 288 (2) और नियम 49 और 50)	आयकर अधिकारियों के समक्ष अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य के लिए ²	जुलाई 1979
4.	एम० आर० टी० पी० आयोग विनियमावली 1974 ¹ (विनियम 65 का उपबन्ध)	एम० आर० टी० पी० आयोग के समक्ष अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए	मई 1982
5.	(1) प्रतिभूति संधिदा (विनियम) अधिनियम 1956 तथा प्रतिभूति संधिदा (विनियम) नियमावली 1957 (गार्ड लाईन सं० एफ० 1/8/एस ई०/82 दिनांक 20-8-1982)	स्टाक एक्सचेंज द्वारा अनुमोदन के आधार पर इस बात का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने आर्बटन उमी आधार पर किया है	अगस्त 1982
	(2) प्रेग नोट सं० 14(2)/एस.ई.-85 दिनांक 15-10-1985	ऐसी कम्पनियों के संबंध में, जो पूंजी निर्गम नियंत्रण अधिनियम 1947/पूंजी निर्गम (छूट) आदेश, 1969 के अन्तर्गत पूंजी उगाहते हैं, इस बात का प्रमाण पत्र देने के लिए कि प्रोमोटर्स के कोटे के शेयरों में से शेयरों पर यह मोहर लगा दी गई है कि शेयरों के आर्बटन की तारीख से कम से कम तीन वर्ष की अवधि तक ये शेयर बेचे/हस्तांतरित/गिरवी नहीं रखे जाएंगे।	अक्तूबर 1985
(3)	(क) अहमदाबाद शेयर एण्ड स्टॉक ब्रोकर एसोसिएशन	स्टाक एक्सचेंज के सदस्यों की मेन्ब्रा पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों की जांच जैसा कि गार्ड लाईन एफ० सं० 1/4/एस० ई०/83 दिनांक 29 जनवरी 1983 के अनुसार आवश्यक है	मार्च 1984
	(ख) उमर प्रवेश स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड कानपुर		अप्रैल 1984

1. किसी कम्पनी का सचिव भी इस प्रकार के काम को हाथ में ले सकता है।

2. आयकर अधिनियम की धारा 288(2)(बी) के अन्तर्गत केवल वे लोग जिन्होंने आयकर नियमावली के नियम 50 के अधीन मान्यता प्राप्त लेखा परीक्षा उत्तीर्ण की हो वही प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकते हैं। नियम 50 में कम्पनी सचिव (जी डी सी एस) सरकारी डिप्लोमाधारी इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी मैनेजमेंट ऑफ इण्डिया की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण में शामिल हैं।

(1)	(2)	(3)	(4)
6. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम, 1944 और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 (धारा 35 'घ' और नियम 232 अ)			
7. सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 और सीमा शुल्क (अपील) नियमावली 1982 (धारा 146 क और नियम 9)	सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क और स्वर्ण निर्यात अधिनीय अधिकरण के समक्ष अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए।		अक्टूबर 1982
8. स्वर्ण (निर्यात) अधिनियम, 1968 तथा स्वर्ण (निर्यात) अपील नियमावली 1982 (धारा 101 क और नियम 9)			
9. व्यापार और पण्य-चिह्न नियमावली 1959 (नियम 148)	व्यापार चिह्न एजेंट के रूप में पंजीकृत कराने के लिए		अप्रैल 1985
10. आयात और निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड 1)			
(i) पैरा 251 और 275	(i) निर्यात निर्यातन प्रमाणिकरण, जो पंजीकृत निर्यातकर्ता निर्यात गृह द्वारा आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक को निर्यात गृह/व्यापार गृह प्रमाण पत्र देने के लिए प्रस्तुत करता होता है।		अप्रैल 1982
(ii) पैरा 110 (1)	(ii) वास्तविक उपभोक्ताओं (औद्योगिक) के लिए बिजली बाव मेकाओं के लिए अतिरिक्त कल-पुर्जे आयात करने के लिए आयात अनुज्ञा पत्र प्राप्त करने के वास्ते अपेक्षित प्राप्त पात्रता आवधिक उत्पाद के संबंध में प्रमाणीकरण।		अप्रैल 1984
(iii) पैरा 113 (3)	(iii) काम कर रहे वाहन-समूह के सभी विवरणों का प्रमाणीकरण और ऐसे सभी सम्बद्ध दस्तावेजों का प्राप्त करने लिए, जो उक्त वाहन समूह का प्राप्त करने के लिए, जो उक्त वाहन समूह के स्वामी को चाहिए, जो कम से कम 25 देसी मोटर वाहन तैयार करता हो और जिनके लिए सीमित कल-पुर्जे आयात करने आवश्यक होते हैं।		अप्रैल 1984
(iv) पैरा 77 (1)	(iv) उपभोग की विवरणी का प्रमाणीकरण जो ऐसे पात्रता प्राप्त वास्तविक उपभोक्ता को चाहिए, जो अपने वास्तविक उपभोग के बीमा भाड़ा मूल्य के 25 प्रतिशत मूल्य तक की ऐसी मर्चे सीधे आयात कर सकते हैं, जो इस नीति में तो आयात के लिए सारणीबद्ध मद है, परन्तु इसमें पूर्व की नीति में सारणीबद्ध नहीं थी।		अप्रैल 1984
(v) पैरा 183 (2)	(v) पात्रता प्राप्त गन्नाख व्यापारियों के हथियारों की बर्ष वार कुल बिक्री का प्रमाणीकरण, जो निश्चित प्रकार के हथियारों के आयात के लिए चाहिए।		अप्रैल 1984
(vi) पैरा 134 (1)	(vi) सम्बद्ध दुकान तथा स्थापना संविधि के अधीन बंध पंजीकरण प्रमाण पत्र रखने वाले व्यक्तियों की पुस्तकों की कुल खरीद से संबंधित प्रमाणीकरण जो खुले सामान्य अनुज्ञा-पत्र के अन्तर्गत आयात की जाने वाली पुस्तकों के अलावा अन्य पुस्तकों के आयात के लिए चाहिए।		अप्रैल 1984
(vii) पैरा 138 (3)	(vii) निर्यात विवरणी का प्रमाणीकरण जो फीचर फिल्मों के निर्यातकर्ताओं या निर्यातक-निर्माताओं द्वारा वीडियो टेप रिकार्डों/कैमरों/टी.वी. मोनोटर सहित या रहित बी.सी.आर. के आयात के लिए दिए जाने वाले आवेदन पत्र के साथ भेजना आवश्यक है।		अप्रैल 1981
आयात निर्यात प्रक्रिया की हस्त पुस्तिका 1985-88			
(viii) परिशिष्ट 5-डो-भाग-III	(viii) वास्तविक उपभोक्ता (औद्योगिक) द्वारा ए.यू. (पुरक) अनुज्ञापत्र मांगने के लिए वांछित उपयोग प्रमाण-पत्र ³ ।		अप्रैल 1985

3. आयात और निर्यात नीति 1985-88 के अंतर्गत ए.यू. (स्वतः) लाइसेंस प्रणाली समाप्त कर दी गई है। किन्तु 1985-88 की नीति के अंतर्गत ए.यू. (पुरक) लाइसेंस प्राप्त करने के लिए यथा प्रमाणित उपभोक्ता प्रमाण पत्र देना आवश्यक है।

(1)	(2)	(3)	(4)
(ix) परिशिष्ट XIV-एन	(ix) निर्यात-नायकन का निर्यात सूचक यूनिट द्वारा प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित निर्यात निर्याद का प्रमाणीकरण, आ निर्यात निर्याद प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए चाहिए।	अप्रैल 1982	
(x) परिशिष्ट XIV-एन [पैरा 327(1) के साथ पटलीक]	(x) सम्पत्ति के अधीन निर्यात निर्याद का प्रमाणिकरण, जो निदेशों में संयुक्त उद्योगों में भारतीय सम्पत्ति के लिए मशीनों और उपकरणों के निर्यातों के लिए आर.ई.पी. प्रस्ताव पत्र को मांग करने के लिए चाहिए।	अप्रैल 1985	
(xi) परिशिष्ट XIV-मई	(xi) निर्यात निर्यातों का प्रमाणीकरण जो 1985-83 को प्राप्त निर्यात प्रक्रिया को हस्तगुहिका के पैरा 329 के प्रावधान के अनुसार आर.ई.पी. प्रस्ताव पत्र को मांग करने के लिए चाहिए।	अप्रैल 1985	
(xii) परिशिष्ट XXI-सी	(xii) निर्यात निर्यातों का प्रमाणिकरण जो निर्यात/आयात गृह को अतिरिक्त अनुज्ञापत्र की मांग करने के लिए चाहिए।	अप्रैल 1985	
(xiii) परिशिष्ट XVI-एक	(xiii) कच्चे माल, हिस्से पुर्जों और उपभोग्य सामान की आयात की आवश्यकताओं का प्रमाणीकरण, जो रसायन और वस्त्र उद्योगों की इयूटी छूट योजना के अधीन अधिम अनुज्ञा पत्र की मांग करने के लिए चाहिए।	अप्रैल 1985	
(xiv) परिशिष्ट V-डी भाग-1	(xiv) आयात निर्यात नीति 1985-88 के परिशिष्ट 2-ख और 3-क में दी गई लोह और इस्पात के आयात अन्य मर्चों तथा परिशिष्ट 2-ख और 3-ख में लोह और इस्पात की मर्चों के आयात के बारे में आवश्यकता, उपभोग, स्टॉक आदि के विवरण का प्रमाणीकरण।	मई 1986	
II. संस्थान			
11. अधिनियम भारतीय वित्तीय संस्थान		निम्नलिखित के संबंध में प्रमाणिकरण के लिए	
(i) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	(क) करार करने संबंधी कम्पनी और उसके निदेशकों की आवश्यक शक्तियाँ	}	जुलाई 1981
(ii) भारतीय औद्योगिक विकास निगम	(ख) कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 293(1) (घ) के अधीन शासी कम्पनी द्वारा ऋण लेने की समीक्षा, जिसमें प्राधिकृत निगमित, अधिवस्त और प्रदत्त शेयर पूंजी तथा वास्तव में लिए गए ऋणों के व्योरे शामिल हैं।		
(iii) भारतीय औद्योगिक ऋण एवं निवेश निगम लि.	(ग) कम्पनी के सदस्यों की सूची	}	जुलाई 1983
(iv) भारतीय यूनिट ट्रस्ट	(घ) पूंजी निर्माण (छूट) आदेश 1969 के अधीन प्रस्तावित ऋण लेने की छूट से संबंधित प्रमाण पत्र।		
(v) भारतीय जीवन बीमा निगम	(ङ) कम्पनी बैठकों में पास किये गये संकल्पों की पतियाँ वित्तीय संस्थानों की देता।	}	
(vi) भारतीय सामान्य बीमा निगम			
(vii) भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक	-वही-	(क) से (ङ) तक	जनवरी 1986

(1)	(2)	(3)	(4)
III. उच्च न्यायालय			
12.	कलकत्ता उच्च न्यायालय पत्र सं. कोर 424 दिनांक 9-2-1983	रिजीस्ट्रारों मध्यस्थों, ट्रस्टियों और विशेष अधिकारियों की नियुक्ति के लिए प्रैक्टिस में कार्यरत कम्पनी सदस्यों की नामिका का प्रवर्तन	फरवरी 1983
IV. बैंक			
13.	इंडियन बैंक एंथोसिएशन (परिपत्र एस ओ/69-73/III-सी-82/9565 दिनांक 15-4-1983 और परिपत्र सं. एस.ओ./69-73-सी-88/4783 दिनांक 16-8-1986	बैंकों के लिए वस्तुस्थिति/खोज रिपोर्ट	अप्रैल 1983
V. राज्य स्तरीय एजेंसियाँ			
14.	राज्य वित्तीय/औद्योगिक निवेश विकास निगम :		
(i)	भ्रमर औद्योगिक विकास निगम लि. गोहाटी	(क) कम्पनी और इसके निदेशकों की करार संबंधी आवश्यक शक्तियाँ (ख) कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 293(1)(घ) के अधीन कम्पनी द्वारा ऋण लेने की सीमा जिसमें प्राधिकृत, निर्गमित अभिवृत्त और प्रदत्त शेयर पूंजी तथा वास्तविक ऋणों के व्यौरे भी शामिल हैं।	मार्च 1982
(ii)	हिमाचल प्रदेश वित्तीय निगम, शिमला	-वही-	जुलाई 1982
(iii)	पश्चिमी बंगाल वित्तीय निगम ⁴ कलकत्ता	-वही-	अगस्त 1982
(iv)	राजस्थान वित्तीय निगम जयपुर	-वही-	सितम्बर 1983
(v)	महाराष्ट्र राज्य वित्त निगम बम्बई	-वही-	अप्रैल 1984
(vi)	उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम लि., कानपुर	-वही-	दिसम्बर 1985
(vii)	गुजरात औद्योगिक विकास निगम लि. ⁵ अहमदाबाद	(क) कम्पनी और इसके निदेशकों की करार संबंधी आवश्यक शक्तियाँ (ख) कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 293(1)(घ) के अधीन कम्पनी द्वारा ऋण लेने की सीमा जिसमें प्राधिकृत, निर्गमित, अभिवृत्त और प्रदत्त शेयर पूंजी तथा वास्तविक ऋणों के व्यौरे भी शामिल हैं। (ग) कम्पनी के सदस्यों की सूची (घ) पूंजी निर्गम (छूट) आदेश, 1969 के अंतर्गत प्रस्तावित ऋण का छूट का प्रमाणपत्र (ङ) वित्तीय संस्थानों की पेश की जाने वाली कम्पनी बैठकों में पारित संकल्पों की प्रतियाँ	(अक्टूबर 1982) (अगस्त 1986)
(viii)	नागालैण्ड औद्योगिक विकास निगम लि. सोमापुर	-वही-	सितम्बर 1983
(ix)	उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम, कानपुर	-वही-	सितम्बर 1983
(x)	तमिलनाडु राज्य औद्योगिक उन्नति निगम लि. ⁵ मद्रास मद्रास	-वही-	अक्टूबर 1983
(xi)	तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि. ⁵ मद्रास	-वही-	नवम्बर 1983
(xii)	कर्नाटक राज्य औद्योगिक निवेश और विकास निगम लि., बंगलोर	-वही-	(जुलाई 1982) (फरवरी 1986)
(xiii)	उत्तर प्रदेश का प्रदेशीय औद्योगिक और विकास निगम लि., लखनऊ	-वही-	मार्च 1986
(xiv)	आन्ध्र प्रदेश राज्य वित्त निगम हैदराबाद	-वही-	(जून 1982) (मार्च 1986)

4. इसके अलावा कम्पनियों के रजिस्ट्रार के कार्यालय द्वारा रखे गए रिकार्ड से खोज रिपोर्टों से संबंधित प्रमाण पत्र स्वीकार्य होगा।

5. वही

(1)	(2)	(3)	(4)
(xv) पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम लि. चंडीगढ़	—वही—		मार्च 1986
(xvi) महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक और निवेश निगम लिमिटेड, बम्बई	—वही—		{ जुलाई 1982 मार्च 1986 }
(xvii) हरियाणा वित्त निगम, चंडीगढ़	—वही—		{ सितम्बर 1982 अप्रैल 1986 }
(xviii) पंजाब वित्त निगम चंडीगढ़	—वही—		मई 1986
(xix) भ्रान्ध प्रदेश औद्योगिक विकास निगम लि., हैदराबाद	—वही—		{ मई 1982 जून 1986 }
(xx) केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम लि. ⁶ त्रिवेन्द्रम	(क) से (ग) तक और (ङ)		अगस्त 1986
(xxi) राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लि. ⁷ जयपुर	(क) से (ङ) तक		अगस्त 1986
(xxii) औद्योगिक उन्नति और निवेश निगम उड़ीसा लि. ⁷ , भुवनेश्वर	—वही—		{ सितम्बर 1982 अगस्त 1986 }
(xxiii) गुजरात राज्य वित्त निगम ⁷ , अहमदाबाद	—वही—		{ अप्रैल 1982 सितम्बर 1986 }
(xxiv) दि गोरम औद्योगिक विकास निगम लि., मिजोरम	—वही—		मार्च 1987

6. वही

7. वही

परिशिष्ट 'ङ' (भाग II)

राजगार में कम्पनी सचिव के लिए मान्यताओं की सूची

क्रम सं.	सचिव/—प्राधिकार	प्रयोजन	मान्यता का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1. शिक्षा मंत्रालय		केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत परीष्ठ पदों और सेवाओं में नियुक्ति	फरवरी 1968 दिसम्बर 1971 और जुलाई 1981
2. कम्पनी अधिनियम 1956 धारा 383 का		जिन कम्पनियों को प्रवेश सेक्टर यूरो ६. 25 लाख या उससे अधिक है उनमें पूर्ण कालिक सचिव के लिए	फरवरी 1975
3. कम्पनी अधिनियम धारा 2(45) तथा कम्पनी (सचिव की प्रवृत्त) नियम 1975		सचिव को परिभाषा में संशोधन किया गया, जिसके अंतर्गत इंडोस्ट्रियल को प्रवृत्त तथा सचिव द्वारा किये जाने वाले कार्य निर्धारित किये गए, जिसमें कम्पनी अधिनियम के अंतर्गत कार्य तथा अन्य कोई लिपि-कोय या प्रशासनिक कार्य शामिल हैं	फरवरी 1975
4. भ्रान्ध प्रदेश सरकार		राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में परीष्ठ पदों के लिए	सितम्बर 1981
5. केन्द्रीय सरकार (कम्पनी कार्य विभाग)		केन्द्रीय कम्पनी विधि सेवा की सेवा शाखा में ग्रेड 1 से 4 तक की भर्ती में अनिवार्य प्रवृत्त	नवम्बर 1982
6. इंडियन बैंक एसोसिएशन		बैंक सेवा विधि और व्यापारिक बैंकिंग में विशेषज्ञों के रूप में कम्पनी सचिवों की नियुक्ति	मार्च 1983
7. गृह मंत्रालय, कालिका तथा प्रशासनिक सुधार विभाग		एशिया, अफ्रीका, और लैटिन अमेरिका के विकास-शील देशों में भारतीय विशेषज्ञों को भेजे जाने के लिए कम्पनी सचिवों की तालिमा बनाना	मार्च 1984

(1)	(2)	(3)	(4)
8. गुजरात सरकार, सामान्य प्रशासन विभाग परिवहन सं. और डी डी/ 1077-1120 के, दिनांक 16-1-1987 और पत्र सं. और डी डी 1081-1781 के, दिनांक 23-6-1981	केन्द्रीय सरकार राज्य विधान सभा के किसी अधिनियम या संसद के किसी अधिनियम द्वारा और जून 1931 स्थापित किसी विश्वविद्यालय या शैक्षिक संस्थान द्वारा प्रदत्त डिग्री/डिप्लोमा राज्य सरकार के पदों/सेवाओं पर भर्ती के लिए स्वतः मान्यता प्राप्त है।	जनवरी 1978	

परिशिष्ट "ब"

विद्यार्थियों की वृद्धि

पंजीकृत विद्यार्थी तथा इण्टरमीडिएट और हायर सेकेंडरी उद्योग कर को भुगतान करने वाले विद्यार्थियों व पेशेवरों के कम्पनियों की संख्या के संबंध में विवरण—1981-82 से 1986-87 तक

वर्ष	पंजीकृत विद्यार्थी (वर्तमान)	वर्तमान उत्तीर्ण विद्यार्थी		व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए मान्यताप्राप्त कम्पनियों की संख्या
		उत्तर	फाइल	
1981-82	43516	1676	390	360
1982-83	47687	1278	499	397
1983-84	50097	1296	636	430
1984-85	50010	1116	484	480
1985-86	51670	1275	420	514
1986-87	51020	1681	510	580
सकल परिवर्तन (1981-82 से 1986-87 तक)	7504			
प्रतिशत परिवर्तन (1981-82 से 1986-87 तक)	17.24			
औसत वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)	3.45			
संयोजित वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)	3.23			

परिशिष्ट "छ"

जून और दिसम्बर 1986 में आयोजित परीक्षाओं में बैठने तथा उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या की सारणी

जून 1986 का सत्र

परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशतता
प्रारम्भिक (प्रोसीसीनरी)	46	6	13.04
इण्टरमीडिएट—*			
ग्रुप-1	3704	1130	30.51
ग्रुप-2	3531	1114	31.55
फाइनल—**			
ग्रुप-1	1005	289	28.76
ग्रुप-2	1116	376	33.69
ग्रुप-3	1316	246	18.69

*दोनों ग्रुपों में 1308 परीक्षार्थी बैठे, जिसमें से दोनों ग्रुपों में 272 ने परीक्षा उत्तीर्ण की (20.80%)

**दोनों ग्रुपों में 132 परीक्षार्थी बैठे, जिसमें से 21 ने परीक्षा पास की (15.91%)

परिशिष्ट "छ"—जारी

दिसम्बर 1986 का सत्र

रीखा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशतता
प्रारम्भिक (प्रोलिमिनरी)	57	4	7.02
इन्टरमीडिएट—* (पुराना पाठ्यक्रम)			
ग्रुप—1	3719	675	18.15
ग्रुप—2	3563	1025	28.76
इन्टरमीडिएट (नया पाठ्यक्रम)			
ग्रुप—1	69	9	13.04
ग्रुप—2	86	22	25.58
फाइनल**			
ग्रुप—1	1091	359	32.90
ग्रुप—2	1184	288	24.32
ग्रुप—3	1517	315	20.76

*—दोनों ग्रुपों में 1421 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 227 ने परीक्षा उत्तीर्ण की (15.97%)

**—दोनों ग्रुपों में 157 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से 24 ने परीक्षा पास की (15.28%)

परिशिष्ट "ज"

आंकड़े एक दृष्टि में

(वित्तीय स्थिति)

	31-3-1987 को रु.	31-3-1986 को रु.
वेयनाएं		
1. कुल रिजर्व (व्यय से अधिक हर्ष आय सहित)	1,64,66,338	1,56,64,245
2. चालू देयवाएं और प्रावधान	77,90,171	70,27,506
कुल	2,42,56,509	2,26,91,751

परिसम्पत्तियां

1. आवधिक परिसम्पत्तियां	73,48,531	68,67,134
2. चालू परिसम्पत्तियां		
(1) फूटकर देनवार	1,97,352	1,23,476
(2) रोकड़, बैंक शेष और निवेश	1,28,54,558	1,18,57,299
(3) हस्तगत भण्डार	22,07,497	25,21,453
(4) आस्थगित राजस्व व्यय (बढ़ते खाते न डाली गई सीमा तक)	2,61,772	—
3. ऋण और पेशगियां	13,86,799	13,22,389
कुल	2,42,56,509	2,26,91,751

डी.के. सेनगुप्ता एंड कं.
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

पी-22, साउथ एक्सटेंशन, पार्क-2
नई दिल्ली-110049
19 जून, 1987

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

हमने इस्टीमेट और कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया के 31 मार्च, 1987 के तुलन-पत्र तथा इसके साथ संलग्न उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखों का परीक्षण किया है और हमारी रिपोर्ट इस प्रकार है :—

1. हमारी राय में और जहां तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार निम्नलिखित के बारे में ये लेख सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते हैं :—

(क) इस्टीमेट के मामलों से संबंधित 31 मार्च, 1987 को समाप्त अवधि के तुलन-पत्र के बारे में स्थिति।

(ख) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखों में अधिशेष से संबंधित स्थिति।

2. हमें वह सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए, जो हमें अपनी अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए प्राप्त करने आवश्यक थे।

3. हमारी राय में इस्टीमेट ने अब तक समुचित लेखा-पुस्तकों और रिकार्ड रखे हैं, जैसा कि इनके परीक्षण से स्पष्ट होता है।

4. संबंधित तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखों गई लेखा पुस्तकों और रिकार्डों से मेल खाते हैं।

कृते डी.के. सेनगुप्ता एंड कं.
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

वि इस्टीमेट और कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया
31 मार्च 1987 का तुलन पत्र

डी.के. सेनगुप्ता

	अनुसूची	1986-87	1985-86
		रु.	रु.
निधि के खोल			
पूंजीगत रिजर्व	1	16,95,525	15,62,425
सामान्य रिजर्व	2	1,11,12,417	1,08,53,523
भवन रिजर्व	3	36,58,396	32,48,297
कुल		1,64,66,338	1,56,64,245
का प्रयोग			
स्थायी परिसम्पत्तियां	4	73,48,531	68,67,134
(घटाए हुए मूल्यानुसार)			
चासू परिसम्पत्तियां	5	1,53,21,179	1,43,02,228
घटाए : चासू देयताएं और प्रावधान	6	77,31,008	70,27,506
ऋण और पेसागिया	7	13,86,799	13,22,389
कुल		1,64,66,338	1,56,64,245

तुलन पत्र पर इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट
के अनुसार :

कृते डी.के. सेनगुप्ता एंड कम्पनी

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

(डी.के. सेनगुप्ता)

नई दिल्ली 19 जून, 1987

टी.पी. गुम्हारमन
सचिव एवं कार्यकारी निदेशक

बी.एस. डोगरास्वामी
उपाध्यक्ष

आर. रामचन्द्रन
अध्यक्ष

दि ईंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया
31 मार्च 1987 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

आय	अनुसूची	1986-87	1985-86
		रु.	रु.
द्वारा सदस्यों तथा विद्यार्थियों से शुल्क व भविदान	8	1,00,56,235	98,59,832
" चार्टर्ड सेक्रेटरी जनरल और स्टुडेंट कम्पनी सेक्रेटरी पत्रिका के भविदान, प्रावधान और विज्ञापन		14,36,917	11,16,595
" सम्मेलन और अन्य व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों से प्रत्यक्ष आय से अधिक प्राप्तियां	9	82,491	584
" अन्य आय	10	21,00,197	16,97,635
	कुल	1,36,75,830	1,26,74,646
व्यय			
को कर्मचारियों को भुगतान	11	51,30,523	43,11,785
" डाक शिक्षण (प्रत्यक्ष लागत)	12	21,27,413	14,51,443
" अनुसंधान और व्यावसायिक विकास		8,091	15,690
" व्यावसायिक प्रशिक्षण		25,250	—
" प्रकाशनों और कार्यालय लेखन सामग्री का मुद्रण	13	7,99,461	7,93,502
" चार्टर्ड सेक्रेटरी जनरल और स्टुडेंट कम्पनी सेक्रेटरी बुलेटिन का मुद्रण	14	12,30,731	10,77,491
" यात्रा और सवारी	15	4,53,537	3,51,499
" डाक टिकट, तार, टेलीफोन और टेलिक्स	16	6,86,692	6,39,693
" परोक्षाएं		8,73,216	7,95,608
" किराया, उपशुल्क और कर		2,04,085	1,64,989
" अन्य व्यय	17	5,58,917	5,39,698
" व्यावसायिक सेवाएं	18	1,58,350	1,40,250
" क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को अनुदान		4,83,047	4,10,477
" क्षेत्रीय कार्यालय व्यय	19	1,78,766	1,98,753
" स्थायी परिसम्पत्तियों का मूल्यह्रास	4	3,46,217	3,19,416
" छात्रवृत्ति और पुरस्कार योजना		47,351	32,172
" केन्द्रीय और क्षेत्रीय परिषदों के चुनाव पर व्यय		—	55,803
" प्रैक्टिसी के लिए प्रावधान		1,75,218	1,45,058
" कर्मचारियों की पेंशन के लिए प्रावधान		1,48,000	5,93,000
" पुरानी स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान/बर्तरेखाते पर हानि		—	1,480
" तुल्य पत्र में ले जाई गई व्यय से अधिक हुई आय		40,965	6,36,837
	कुल	1,36,75,830	1,26,74,646

तुल्य पत्र पर इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार।

हते डी. के. सेनगुप्ता एंड कं., चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स

(डी. के. सेनगुप्ता)

नई दिल्ली, 19 जून, 1987

टी.पी. सुब्बारासन
सचिव तथा कार्यकारी निदेशक

बी.एस. जोरहस्वामी
उपाध्यक्ष

प्रार. रामचन्द्रन
अध्यक्ष

पूँजीगत रिजर्व

	1986-87	1985-86
	रु.	रु.
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		
जोड़ें : पूँजीकृत शुल्क	15,62,425	13,87,72
एसोसिएट प्रवेश शुल्क	1,12,500	1,29,300
सैलो प्रवेश शुल्क	20,600	45,400
कुल	16,95,525	15,62,425

अनुसूची-2

सामान्य रिजर्व

	1986-87	1985-86
	रु.	रु.
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		
जोड़ें : भवन रिजर्व निधि से अंतरण	1,08,53,523	92,76,186
घाय और व्यय लेख के अनुसार अधिशेष	2,17,929	9,40,520
	40,965	6,38,837
कुल	1,11,12,417	1,08,53,523

अनुसूची-3

भवन रिजर्व निधि

	1986-87	1985-86
	रु.	रु.
1-4-1986 को अजग से रखी गई सावधि जमा राशि	32,48,297	29,45,731
जोड़ें : अलग से रखी गई सावधि जमा राशि पर व्याज	3,83,994	2,76,843
क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास भूमि/भवन की लागत के लिए एस. आई. आर. सी. का योगदान	37,454	9,40,520
क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली के भवन निर्माण के लिए उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद द्वारा योगदान	—	25,723
बड़ोदा और डोंबिवली शाखा के कार्यालयों के भवन निर्माण की लागत	2,06,580	—
	38,76,325	41,88,817
बटाएं : क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास के लिए भूमि/भवन की लागत का सामान्य रिजर्व के रूप में 50% स्थानांतरित, बूँकि इस खर्च को इस्टीमेट में चूक किया है	2,17,929	9,40,320
	36,58,396	32,48,297

वि इस्टोड्यूट आफ कम्पनी

31-3-1987 को तुलन-पत्र के साथ संलग्न

विवरण	मूल्य ह्रास की दर	सकल ह्रास	
		1-4-86 की लागत	वर्ष के दौरान प्रति
(1)	(2)	(3)	(4)
	₹.	₹.	₹.
1. भूमि (केन्द्रीय कार्यालय)	—	58,756	—
2. भूमि (केन्द्रीय कार्यालय दिल्ली)	—	1,74,711	58,682
3. भूमि (केन्द्रीय कार्यालय मद्रास)	—	12,00,000	—
4. भवन (घाई सी एस घाई भवन)	2.5	35,91,975	—
5. भवन (क्षेत्रीय कार्या. बम्बई)	2.5	2,58,086	—
6. भवन (क्षे. कार्या. दिल्ली) (निर्माणाधीन)	—	53,605	—
7. भवन (क्षे. कार्यालय मद्रास)	2.5	6,81,040	74,907
8. भवन (बड़ौदा शाखा)	2.5	—	2,34,355
9. भवन (रोम्बीवली शाखा)	2.5	—	1,52,700
10. बच्चे	10	59,787	2,910
11. फर्नीचर और जुड़नार	10	9,15,401	56,501
12. समय धमिलेखक टैल-टैल और बीवार बहियाँ	10	6,779	—
13. गणक और परिकल्पन यंत्र	15	20,484	3,418
14. वातानुकूलक और कम कूलर	15	71,563	37,143
15. वातानुकूलन और शीत यंत्र	15	5,45,000	—
16. स्वचालित घापात साइट	15	5,083	—
17. ब्राडमा मशीनें	15	86,741	9,796
18. प्रतिलिपि यंत्र	15	38,392	—
19. प्रॉफिंग मशीनें	15	20,299	—
20. हीट ड्रायर	15	2,995	—
21. हीट कन्वेक्टर	15	468	—
22. अंतः संचार उपकरण	15	44,317	—
23. वास काठमे के उपकरण	15	653	—
24. मोमो डायलर	15	3,850	—
25. रसीई भंडार के उपकरण और साज सामान	15	9,858	1,011
26. फोटो स्टेट मशीनें	15	1,04,066	—
27. टेप रिकार्डर	15	2,508	850
28. ट्रांसफार्मर और मोल्डेज स्टेबलाइजर	15	21,522	—
29. टाइपराइटर	15	1,96,842	10,101
30. टी. बी. (रंगीन/बी. सी. प्रार. /ड्रायो)	15	—	25,190
31. वेक्चुर मशीन	15	3,300	—
32. वाटर कूलर और फिल्टर	—	49,532	20,724
33. वाटर मीटर	—	233	—
34. भार लोचक यंत्र	15	12,033	—

सेक्रेटरीस आफ इंडिया

भाग के रूप में सम्बन्ध परिसम्पत्तियों की अनुसूची

वर्ष के दौरान बिना समायोजन	मूल्य ह्रास		बढ़ाया हुआ				
	31-3-1987 को कुल लागत	1-4-1986 से पूर्व	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान समायोजन	कुल	31-3-87 को	31-3-
(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
—	58,756	—	—	—	—	58,756	58,756
—	2,33,393	—	—	—	—	2,33,393	1,74,711
—	12,00,000	—	—	—	—	12,00,000	12,00,000
—	35,91,975	4,20,362	79,290	—	4,99,652	30,92,323	31,71,613
—	2,58,086	57702	5,010	—	62,712	1,95,374	2,00,384
—	53,605	—	—	—	—	53,605	53,605
—	7,55,947	17,026	18,473	—	35,499	7,20,448	6,64,014
—	2,34,355	—	5,859	—	5,859	2,28,496	—
—	1,52,700	—	3,817	—	3,817	1,48,883	—
—	62,697	25,269	3,743	—	29,012	33,685	34,518
—	9,71,902	3,82,515	58,938	—	4,41,453	5,30,449	5,32,866
—	6,779	2,313	446	—	2,759	4,020	4,466
—	23,902	14,465	1,415	—	15,880	8,022	6,019
—	1,08,706	45,419	9,493	—	54,912	53,794	26,144
—	5,45,000	2,97,316	37,153	—	3,34,469	2,10,031	2,47,684
—	5,083	2,217	430	—	2,647	2,436	2,866
—	96,537	61,283	5,288	—	66,571	29,968	25,458
—	38,392	18,793	2,940	—	21,733	18,659	18,599
—	20,299	14,710	438	—	15,548	4,751	5,589
—	2,995	832	324	—	1,156	1,839	2,163
—	468	70	60	—	130	338	398
—	44,317	23,560	3,114	—	26,674	17,643	20,757
—	653	181	71	—	252	401	472
—	3,850	1,069	417	—	1,486	2,364	2,781
—	10,869	4,625	937	—	5,562	5,307	5,233
—	1,04,066	40,789	9,492	—	50,281	53,785	63,277
—	3,358	1,344	302	—	1,646	1,712	1,164
—	21,522	8,338	1,978	—	10,316	11,206	13,184
—	2,06,943	1,08,768	14,727	—	1,23,495	83,448	88,074
—	25,190	—	3,779	—	3,779	21,411	—
—	3,300	916	358	—	1,274	2,026	2,384
—	70,256	23,599	6,999	—	30,598	39,658	52,933
—	233	130	15	—	145	88	103
—	12,023	4,930	1,065	—	5,995	8,038	7,103

(1)	(2)	(3)	(4)
35. कैमरा	15	—	974
36. एस टी डी डिस्कमैक्टर	15	—	1,100
37. साइकिलें	20	1,782	—
38. पुस्तकालय की पुस्तकें	20	4,78,260	67,023
39. मोटरगाड़ी	20	74,550	1,00,765
40. साइकिल/स्कूटर शेड	33½	19,993	—
कुल		88,14,464	8,58,150
गत वर्ष के धाकड़े		65,62,219	22,63,118

अनुपुष्प-4 (जारी)

5	6	7	8	9	10	11	12
—	974	—	146	—	146	828	—
—	1,100	—	165	—	165	933	—
—	1,782	979	161	—	1,140	642	803
—	5,45,283	3,07,752	47,506	—	3,55,258	1,90,025	1,70,508
74,550	1,00,765	44,014	20,153	44,014	20,153	80,612	30,536
—	19,993	16,044	1,315	—	17,359	2,634	3,949
74,550	93,98,064	19,47,330	3,46,217	44,014	22,49,533	73,48,531	68,67,134
10,873	88,14,464	16,33,055	3,19,416	5,141	19,47,330	68,67,134	49,29,164

अनुसूची—5

चालू वेयताए

	1986-87 रु.	1985-86 रु.
भाग—I विविध वेनदार (प्रतिभूति रहित)		
(क) छः महीने से अधिक पुराने, जो शोध्य माने गये।	—	6,968
अन्य	1,97,352	1,16,508
(ख) छः महीने से अधिक पुराने मामले, जिनकी प्राप्ति या संदेहास्पद हैं।	1,425	2,040
	1,98,777	1,25,516
घटाएँ—अशोध्य और संदेहास्पद मामलों का रिजर्व	1,425	2,040
भाग-I का कुल जोड़	1,97,352	1,23,476
भाग—II रोकड़, बैंक शेष और निवेश		
(क) हस्तगत रोकड़ और बैंक ड्राफ्ट	8,867	7,959
(ख) हस्तगत डाक टिकटें	16,435	9,696
(ग) बैंकों के बचत खातों में केनरा बैंक ग्रीन पार्क, नई दिल्ली	4,43,336	5,05,674
इण्डियन ओवरसीज बैंक, गोलफ लिंक, नई दिल्ली	3,701	3,189
इण्डियन बैंक, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली	45,745	18,377
(घ) बैंकों के सावधि जमा खातों में:		
केनरा बैंक, ग्रीन पार्क, एक्स, नई दिल्ली	40,20,000*	50,20,000
इण्डियन ओवरसीज बैंक, गोलफ लिंक, नई दिल्ली	2,00,000	4,00,000
इण्डियन बैंक, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली	4,00,000	4,00,000
आन्ध्र बैंक, ग्रीन पार्क एक्स, नई दिल्ली	—	1,00,000
पंजाब नेशनल बैंक, लोधी कालोनी, नई दिल्ली	—	1,00,000
(ङ) बांडों में निवेश:		
नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन लि.	40,00,000**	40,00,000
इण्डियन पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि.	10,00,000	—
महानगर टेलीफोन निगम लि.	2,00,000	—
(च) अर्जित ब्याज	25,16,474	12,92,404
भाग-II का कुल	1,28,54,558	1,18,57,299
*भवन रिजर्व निधि के लिये अलग से रखी गई रु. 36,58,396 की जमा राशि शामिल है।		
**इस निवेश में वेय प्रेषण के लिये रु. 8,64,487 की राशि और कर्मचारियों को देय पेंशन के लिये रु. 7,41,000 की राशि का प्रावधान शामिल है।		
भाग—III 31-3-87 की प्रकाशनों, लेखन सामग्री, कागज, वाटर्ड सैफ्टरी जर्नल, स्टुडेंट कंपनी सैफ्टरी बुलेटिन, शिक्षण सामग्री और टाइपों का हस्तगत स्टॉक।		
(क) प्रकाशन	3,41,549	4,79,296
(ख) लेखन सामग्री	64,543	76,688
(ग) छपाई का कागज	1,25,279	2,12,737
(घ) जर्नल/स्टुडेंट बुलेटिन	62,925	1,64,944
(ङ) अध्ययन सामग्री और प्लास्टिक फोल्डर	16,05,167	15,82,388
(च) नेक टाइपों	8,034	5,400
भाग-III का कुल	22,07,497	25,21,453

भाग—IV : आस्थगित राजस्व व्यय (उस सीमा तक जिसे बट्टे खाने नहीं आता) :

(क) बट्टे खाने डाले जाने वाले प्रकाशनों और शिक्षण सामग्री के स्टॉक का मूल्य, जिसे प्रगते दो वर्षों में समाविष्ट किया जायेगा।	1,86,772	—
(ख) मुख्यालय के भवन के भूविस्तार की परम्पत पर खर्च, जिसे प्रगते तीन वर्षों में समाविष्ट किया जायेगा।	75,000	—
कुल (भाग IV)	2,61,772	—
कुल जोड़ भाग (I+II+III+IV)	1,55,21,179	1,45,02,228

अनुसूची—6

बाल देयताएं और प्रावधान

	1986-87 रु.	1985-86 रु.
भाग—I : बाल देयताएं		
(क) असमाप्त सेवाओं के लिये विश्वार्थी पंजीकरण शुल्क	39,14,337	38,62,165
(ख) सदस्यों में अग्रिम प्राप्ति	1,06,461	1,02,119
(ग) स्मार्किंग/जर्नेल विज्ञापन में अग्रिम प्राप्ति	—	1,000
(घ) देय व्यय	8,36,978	9,23,409
(ङ) देय लेखा परीक्षा शुल्क	2,500	3,000
(च) कम्पनी मैकेटिंग/आई सी एस आई कर्मचारी हितकारी निधि में देय अनुदान	29,312	7,563
(छ) क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को देय	2,10,587	2,11,007
(ज) प्रतिनिधि शुल्क (सर्वजनिक)	15,824	10,424
(झ) भूगतान के लिये विविध प्राप्ति	587	587
(ञ) जमानत जमा/अवधारण राशि	10,767	10,482
(ट) विद्यार्थियों को पुरस्कार देने के लिये जमा राशि	20,000	20,000
(ठ) पुस्तकालय की सुरक्षा-जमा	1,10,540	87,840
(ड) प्रकाशनों के लिये एक मुद्रण जमा राशि	4,079	4,500
(ढ) प्रतिनिधि शुल्क की अग्रिम प्राप्ति	3,300	—
कुल (भाग I)	52,65,272	52,44,096
भाग—II : प्रावधान		
(क) पानी, बिजली, टैलीफोन, सम्मेलन और आकस्मिक व्यय के लिये प्रावधान	9,14,412	4,85,763
(ख) भवन (मुख्यालय) के लिये प्रावधान	5,000	5,000
(ग) देय प्रेच्युटी	8,64,487	6,99,647
(घ) कर्मचारियों को देय पेंशन	7,41,000	5,93,000
कुल (भाग II)	25,24,899	17,83,410
कुल (भाग I+II)	77,90,171	70,27,506

प्रतिसूची-7

ज्वण और पेसगियां (प्रतिभूति रहित और शोध्य समझे गये)

	1986-87 रु.	1985-86 रु.
(क) ज्वण और पेसगियां		
कर्मचारी	2 17,824	2,50,885
परीक्षा केन्द्र	9,300	5,300
सम्मेलन	1,741	37,462
मुद्रक/पुस्तिकर्ता (बाते में)	1,700	8,381
क्षेत्रीय परिषदों/शाखा कार्यालयों के लिये भवन-कम		
—अग्रिम	4,00,000	1,96,000
—ज्वण	3,90,052	6,49,480
(ख) पूर्वोक्त व्यय		
बीमा प्रीमियम	11,309	10,644
किराया, उपश्रुतक और कर	1,980	1,725
भरसमत और तबीकरण	25,116	35,445
कर्मचारी कल्याण (व्यक्तिगत बुचंदना बीमा)	7,406	15,488
टेलीफोन और टैलैक्स	3,760	2,891
क्षेत्रीय कार्यालय	3,260	3,157
(ग) विविध जमा		
क्षेत्रीय कार्यालय के परिसरों के मकान मालिक	15,935	15,935
नगरपालिका कर और अनुक्षण (क्षे. का. बम्बई)	10,440	10,440
रेल्वे, नई दिल्ली	28,500	28,500
मै. थोर ट्रिक्स	126	126
एन.पी.जी. सिमण्डर/रिगुलेटर	530	530
हाकधर में सुरक्षा जमा	12,000	8,000
टेलीफोन और टैलैक्स के लिये जमा	10,500	10,500
विश्वविद्यालय (पुरस्कार प्रदान करने के लिये)	35,320	31,500
कुल	13,86,799	13,22,389

सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क और अभिवान

	1986-87	1985-86
रु.	रु.	रु.
भाग—I : सदस्यों से		
(क) फेलो वार्षिक शुल्क	3,23,590	3,00,00
(ख) फेलो प्रवेश शुल्क	20,600	45,400
बटाएं: पूंजीगत रिजर्व में 100% स्थानान्तरित	20,600	45,400
(ग) एसोसिएट वार्षिक शुल्क	4,20,140	4,32,145
(घ) एसोसिएट प्रवेश शुल्क	1,12,500	1,29,300
बटाएं: पूंजीगत रिजर्व में 100% स्थानान्तरित	1,12,500	1,29,300
(ङ) सदस्यता पुनः स्थापना शुल्क	6,350	7,100
(च) प्रैक्टिस प्रमाणपत्र का वार्षिक शुल्क	70,088	55,487
(छ) सदस्यों की सूची	2,257	2,000
कुल (भाग I)	8,22,425	7,96,732

भाग—II : विद्यार्थियों से

(क) परीक्षा केन्द्र में परिवर्तन का शुल्क	1,900	1,685
(ख) प्रीलिमीनरी/इण्टरमीडिएट/फाइनल परीक्षा से छूट का शुल्क	3,64,524	5,87,965
(ग) फाइनल परीक्षा शुल्क	8,90,767	8,11,030
(घ) इण्टरमीडिएट परीक्षा शुल्क	14,38,367	12,70,148
(ङ) प्रीलिमीनरी परीक्षा शुल्क	18,057	18,915
(च) पंजीकरण शुल्क	11,22,036	9,04,799
(छ) शैथिल्य (रिलेक्सेशन) शुल्क	480	435
(ज) अंक स्थापन शुल्क	15,901	11,085
(झ) वार्षिक शुल्क	1,54,469	3,91,788
(ञ) डाक शिक्षण शुल्क	50,75,282	50,43,372
(ट) बिलम्ब शुल्क	95,096	590
(ठ) लाइसेंसधारी शुल्क	17,311	13,865
(ड) शिक्षता प्रशिक्षण शुल्क	450	450
(ढ) पुस्तकालय सदस्यता शुल्क	9,170	6,970
कुल (भाग II)	92,33,810	90,63,100
कुल (भाग I+II)	1,00,56,235	98,59,83

अनुसूची—9

सम्मेलन और अन्य व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों आदि से आय

	1986-87		1985-86	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1. प्रतिनिधि शुल्क और अन्य प्राप्तियाँ				
प्रतिनिधि शुल्क				
सम्मेलन	4,91,750		2,82,470	
निवासीय कार्यक्रम	---		59,150	
सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के उच्चतम अधिकारियों के लिए कार्यक्रम	51,583		57,946	
संयुक्त व्यावसायिक कार्यक्रम	85,265		14,100	
इम्पीन्ट (संदन) 1985	---		15,48,277	
अंशदान				
सम्मेलन	38,190		---	
स्मारिका में विज्ञापन				
सम्मेलन	66,636		40,743	
अन्य				
पिछले सम्मेलनों से आय	---		50	
व्यावसायिक कार्यक्रम	---	7,33,426	1,511	20,04,247
2. बटारै: प्रत्यक्ष व्यय				
सम्मेलन	5,13,096		3,53,448	
निवासीय कार्यक्रम	---		43,738	
सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के उच्चतम अधिकारियों के लिए कार्यक्रम	39,562		45,799	
संयुक्त व्यावसायिक कार्यक्रम	78,283		10,401	
इम्पीन्ट (संदन) 1985	---		15,48,277	
पिछले सम्मेलन	2,004	6,30,945	---	20,03,663
		1,02,481		584
बटारै: कंपनी सेक्रेटरी कल्याण निधि और आईसीएस आई कर्मचारी कल्याण निधि के अनुदान का प्राबंजन		20,000		
आय और व्यय लेखों में दिखाया गया शेष		82,481		584

अनुसूची-10

अन्य आय	1986-87	1985-86
	रु.	रु.
(क) प्रकाशनों की बिक्री	8,28,049	8,14,602
(ख) बैंक शेषों और निवेशों से व्याज	12,38,810	8,59,814
(ग) कर्मचारियों को दी गई पेनशियां से व्याज	1,727	1,375
(घ) विविध आय	14,113	19,848
(ङ) पुरानी स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान/बट्टे खाते डाली गई राशि का अधिशेष	13,478	651
(च) कार्यालय भवन के लिए अनुदान	4,020	1,345
कुल	21,00,197	16,97,635

अनुसूची-11

कर्मचारियों की भूसंतान

	1986-87	1985-86
	रु.	रु.
(क) बतन और भत्ते	44,76,204	37,93,875
(ख) कर्मचारी कल्याण	3,44,781	2,96,002
(ग) निधोपक का भविष्य निधि में अंशदान	3,09,538	2,21,908
कुल	51,30,523	43,11,785

अनुसूची-12

बुक शिक्षण व्यय

	1986-87		1985-86	
	रु.	रु.	रु.	रु.
(क) 1-4-1986 को घाटि स्टॉक अध्ययन सामग्री	13,19,305		5,53,089	
कागज	1,10,472		1,07,602	
प्लास्टिक फोल्डर	2,63,083	16,92,860	1,73,595	8,34,296
(ख) जोड़े : वर्ष के दौरान अध्ययन सामग्री, प्लास्टिक फोल्डर और अन्य मसौं पर किया गया व्यय		21,25,100		23,10,007
		38,17,960		31,44,303
(ग) घटाएँ: 31-3-1987 को घन स्टॉक अध्ययन सामग्री	14,58,837		13,19,305	
कागज	51,566		1,10,472	
प्लास्टिक फोल्डर	1,46,330	10,56,733	2,63,083	16,92,860
घटाएँ: भाग ले जाए गए बट्टे खाते डाले गए स्टॉक का मूल्य जिसको अगले दो वर्षों में समावेश किया जाएगा		21,61,227		11,51,443
		33,814		
बुक शिक्षण व्यय		21,27,413		14,51,443

अनुसूची—13

प्रकाशनों और ग्रन्थ लेखन सामग्री का मुद्रण,

	1986-87		1985-86	
	रु.	पं०	रु.	पं०
(क) 1-4-86 को बाधि स्टॉक				
प्रकाशन	4,79,296		5,32,108	
लेखन सामग्री	76,688		79,025	
कागज	50,052	6,06,036	32,912	6,44,045
(ख) जोड़ें: वर्ष के दौरान कागज तथा प्रकाशनों के मुद्रण और ग्रन्थ कार्यालय लेखन सामग्री पर क्रियागुथा समेकित व्यय		7,13,933		7,55,493
		13,19,969		13,99,538
(ग) घटाएँ: 31-3-87 को अन्त स्टॉक				
प्रकाशन	3,41,549		4,79,296	
लेखन सामग्री	64,543		76,688	
कागज	22,494	4,28,586	50,052	6,06,036
		8,91,389		7,93,502
घटाएँ: घाते ले जाए गए बट्टे खाते वाले गए स्टॉक का मूल्य, जिसका अगले दो वर्षों में समावेश किया जाएगा		91,922		—
प्रकाशनों के मुद्रण तथा ग्रन्थ लेखन सामग्री का व्यय		7,99,461		7,93,502

अनुसूची—14

वार्डर्स सेक्रेटरी जनरल और स्टुडेंट्स कम्पनी
के बुलेटिन का मुद्रण

	1986-87		1985-86	
	रु.	पं०	रु.	पं०
(क) 1-4-86 को बाधि स्टॉक				
जनरल/स्टुडेंट कं. सेक्रेटरी बुलेटिन	1,64,944		1,07,481	
कागज	52,213	2,17,157	25,298	1,32,779
(ख) जोड़ें: जनरल/स्टुडेंट कं. सेक्रेटरी बुलेटिन के लिए कागज और मुद्रण पर हुआ व्यय		11,88,754		11,61,869
		14,05,911		12,94,648
(ग) घटाएँ: 31-3-87 को अन्त स्टॉक				
जनरल/स्टुडेंट कं. सेक्रेटरी बुलेटिन	62,935		1,64,944	
कागज	51,219	1,14,144	52,213	2,17,157
		12,91,767		10,77,491
घटाएँ: घाते ले जाए गए बट्टे खाते वाले गए स्टॉक का मूल्य, जिसका अगले दो वर्षों में समावेश किया जाएगा		61,036		—
जनरल/स्टुडेंट कं. सेक्रेटरी बुलेटिन के मुद्रण पर प्रत्यक्ष व्यय		12,30,731		10,77,491

अनुसूची 15

यात्रा और सवारी व्यय

	1986-87 ₹.	1985-86 ₹.
(क) परिवहन के मदद्यों द्वारा यात्रा	3,03,433	2,23,589
(ख) अन्य व्यक्तियों द्वारा यात्रा	45,621	41,663
(ग) सवारी व्यय	1,04,483	86,247
कुल	4,53,537	3,51,499

अनुसूची 16

डाक टिकट, तार, टेलीफोन और टेलिग्राफ

	1986-87 ₹.	1985-86 ₹.
(क) डाक टिकट और तार	5,85,466	5,00,494
(ख) टेलीफोन टेलिग्राफ तथा अन्तः संचार व्यय	1,01,226	1,39,201
कुल	6,86,692	6,39,695

अनुसूची 17

अन्य व्यय

	1986-87 ₹.	1985-86 ₹.
(क) समाचार पत्र और पत्रिकाएं	4,531	4,140
(ख) निशापन और प्रचार	15,669	14,816
(ग) बैठक और संवर्धन व्यय	31,553	22,725
(घ) सरम्मत और नवीकरण	95,390	84,060
(ङ) बिजली	1,45,585	1,50,629
(च) कानूनी व्यय	42,732	13,627
(छ) पैकिंग, भाड़ा और बुलाई	74,658	64,687
(ज) लेखा परीक्षा शुल्क	9,000	8,000
(झ) आग, दुर्घटना और बिगड़ना बीमा क्षति	12,259	10,238
(ञ) मोटर कार-व्यय	28,216	33,883
(ट) कार्यालय रख रखाव और अनुरक्षण	19,418	50,796
(ठ) भवन-सरम्मत और अनुरक्षण	40,723	62,446
(ड) हिन्दी संवर्धन व्यय	1,028	4,216
(ड) कार्यालय के विविध व्यय	21,404	12,558
(ण) बैंक-प्रचार	16,751	2,897
कुल	5,58,917	5,39,698

अनुसूची 18

व्यावसायिक सेवाएं

	1986-87 रु.	1985-86 रु.
(क) कम्प्यूटरी सेवाओं के प्रभार	1,56,831	1,30,408
(ख) अन्य	1,519	9,842
कुल	1,58,350	1,40,250

अनुसूची 19

क्षेत्रीय कार्यालय व्यय

	1986-87				1985-86	
	बम्बई रु.	कलकत्ता रु.	दिल्ली रु.	मद्रास रु.	कुल रु.	रु.
कार्यालय परिसर का किराया, उपशुल्क और कर	30,084	49,932	37,200	6,210	1,23,426	1,59,939
कार्यालय के अन्य व्यय	11,504	8,980	29,409	5,447	55,340	38,814
कुल	41,588	58,912	66,609	11,657	1,78,766	1,98,753

गुलन पत्र पर इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हूने डी.के. सेन गुप्ता एण्ड कं.

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

(डी.के. सेन गुप्ता)

नई दिल्ली

अनुसूची 1 से 19 पर हस्ताक्षर

19 जून, 1987

टी.पी. सुब्बारमन
महिव एवं कार्यकारी निदेशक

बी.एस. डोंराइस्वामी
उपाध्यक्ष

आर. रामचन्द्रन
अध्यक्ष

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Established under the Company Secretaries Act, 1980)

New Delhi, the 17th August, 1987

F. No. 104/15/Accts.—Seventh Annual Report of the Institute of Company Secretaries of India for the year ended 31st March, 1987.

INTRODUCTION

1. In pursuance of the requirement of section 18(5) of the Company Secretaries Act, 1980, the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to publish the Seventh Annual Report and audited statements of accounts along with the auditor's report thereon, on the working of the Institute for the year ended 31st March, 1987.

ORGANISATIONAL SET-UP

2. Council

2.1 Composition

In accordance with the powers conferred on the Central Government under clause (b) of sub-section (2) of section 9 of the Company Secretaries Act, 1980, Shri B. P. R. Vithal has been nominated as a Council Member with effect from 1-1-87 to 31-12-88 vice Dr. D. N. Saxena whose term expired on 31st December, 1986. The Government has also nominated Shri S. K. Tuteja as a Council Member in place of Shri P. G. Mankad with effect from 1-1-1987 to 31-12-1988. There has been no other change in the composition of the Council and all other elected and nominated members continue to hold office upto the date of this Report. The Council places on record its appreciation of the valuable services rendered by Dr. D. N. Saxena and Shri P. G. Mankad as members of the Council.

2.2 Meetings

The Council held seven meetings during the year 1986-87.

3. President & Vice-President

At the 37th meeting of the Council held on 1st January, 1987, Shri R. V. Nagarajan relinquished the office of President and Shri R. Ramachandran was unanimously elected as President for the year 1987 from that date. At the same meeting, Shri B. S. Doraiswamy was also unanimously elected as Vice-President for one year from 1-1-1987. The Council placed on record its appreciation of the valuable contribution made by Shri R. V. Nagarajan as President of the Institute for the year 1986.

4. Committees

In accordance with the provisions contained in section 17 of the Act, the Council constituted three standing and five other Committees during the year.

87/1021GT-5

The composition of the various Committees is given in Appendix 'A' to the Report.

5. Regional Councils & Chapters

5.1 Regional Councils

Each of the four Regional Councils duly constituted with effect from 1st January, 1986, for a period of three years, carried on its activities of professional development during the year. The gist of activities and financial positions prepared from the annual reports of the four Regional Councils for the year 1986-87 is given in Appendix 'B' to the Report.

5.2 Chapters

The 32 Chapters constituted in accordance with regulation 143 of the Company Secretaries Regulations, 1982, under the jurisdiction of the four Regional Councils, continued local activities during the year for the education of students and professional development of members.

5.3 Meetings with the Office Bearers of Regional Councils and Chapters

Continuing the process of having regular interaction with the Regional Councils and Chapters, meetings of office bearers of the Council with the office bearers of Regional Councils and Chapters, were held during the year under report in each region as well as at the time of the 15th National Convention of the Institute held at New Delhi in the last week of March, 1987. For the first time, a separate meeting of the President, Vice-President and the Secretariat with the Chairmen of four Regional Councils was held in January 1987 to improve the tempo of activities in each region.

5.4 Presentation of Best Chapter Awards

At the inaugural session of the 15th National Convention held at Hotel Ashok, New Delhi on 26th March, 1987, Hon'ble Shri J. Vengala Rao, Union Minister for Industry, gave away the Best Chapter Awards for the year 1985-86 as under :

- (i) Rotating Silver Shield and Ahmedabad
commendation Certificate on Chapter
being adjudged as the National
Best Chapter of the Institute
for 1985-86 and Commendation
Certificate for being adjudged
as Regional Best Chapter
in the Western Region.
- (ii) Commendation Certificate on Ranchi
being adjudged as the Chapter
Regional Best Chapter
in the Eastern Region.
- (iii) Commendation Certificate on Kanpur
being adjudged as the Regional Chapter
Best Chapter in the Northern
Region.
- (iv) Commendation Certificate on Bangalore
being adjudged as the Regional Chapter
Best Chapter in the Southern
Region.

Institution of the Modi Enterprises Annual Award of Rs. 25,000 for the best Chapter of the Institute was announced by Shri K. N. Modi at that function commencing from the year 1985-86 and accordingly Ahmedabad Chapter will receive the award of Rs. 25,000 for 1985-86.

6. Amendments to the Company Secretaries Regulations, 1982

The Company Secretaries (Amendment) Regulations, 1987, were published in the Gazette of India (Extraordinary) on 23 February, 1987, bringing into force certain amendments to regulations 48 & 50 relaxing the requirements of practical training for students registered before 30 December, 1985.

MEMBERSHIP FOR EMPLOYMENT AND OR PRACTICE

7. Membership

During the year, 375 persons were admitted as Associate Members and 103 Associates as Fellow Members. As on 31 March, 1987, the Institute had on its Register of Members 5940 persons comprising 4648 Associates and 1292 Fellows. The names of 82 members, comprising 15 Fellows and 67 Associates, were removed from the Register due to non-payment of annual fees, death or resignation. The Council regrets to report the death of 14 members during the year. 117 members were residing abroad as on 31 March, 1987. A Table on the growth of members during the last five years is given as Appendix 'C' to the Report.

8. Certificate of Practice

Certificates of Practice were issued to 185 members and 879 members were holding certificates of practice at the end of the year. The certificates of 55 members were cancelled due to non-payment of annual certificate of practice fee, death, surrender of certificate and ineligibility for renewal of certificate. A Table on the growth of members holding certificate of practice is given as Appendix 'D' to the Report.

9. List of Members

In pursuance of section 19(3) of the Company Secretaries Act, 1980, read with regulation 161, a supplementary list of members as on 1st April, 1986, was published for supply to members on request.

PROFESSIONAL DEVELOPMENT AND CONTINUING EDUCATION

10. Programmes

During the year under review, the Institute organised four programmes for Chief/Top Executives including Nominee/Part-time Directors, Chairmen and Managing Directors, Company Secretaries and Financial Controllers of Government Companies in the States of Madhya Pradesh, Andhra Pradesh and Karnataka. In addition, the Institute organised a programme on "Emerging Role of Directors in Government Companies" in collaboration with the

Bureau of Public Enterprises in June 1986. Programmes were also organised in collaboration with the Institute of Chartered Accountants of India, the Institute of Cost & Works Accountants of India, Management Development Institute and Director-General of Investigation and Registration, Department of Company Affairs.

10.1 Computer Appreciation Programmes

As the number of small investors has increased to several thousands even in medium sized companies, computerisation of various operations in secretarial and other departments is taking place in all reputed public limited companies. The Council has therefore taken steps to advise all Regional Councils and Chapters to organise at regular intervals computer appreciation courses for the benefit of members as well as students. The Regional Councils and a few major Chapters have already organised/started organising computer appreciation courses during the year.

11. Publications

11.1 'Chartered Secretary'

The journal being published for the 16th year, continues to maintain its popularity as an effective medium of communication with members and company executives and in updating their professional knowledge. Prize awards for best articles in legal, accountancy and management disciplines published in the XV volume of 'Chartered Secretary' were distributed by the hands of the Minister for Industry, Shri J. Vengala Rao at the 15th National Convention held on 26th March, 1987, at Delhi.

11.2 The Institute brought out during the year publications on "Foreign Collaborations—Policy and Procedure", "Guide to Small Scale Industries", "Guide to Company Secretary in Practice" and "Guidance Notes for Company Secretary in Practice."

12. Research Schemes

The Institute continued to receive proposals for undertaking research on subject of specific interest to the profession and the corporate sector. During the year, pilot papers on the following three topics were approved and manuscripts of final study were received for consideration on topics (ii) and (iii) below :

- (i) Industrial Sickness in Small Scale Sector.
- (ii) Non-resident Indian Investment—Policy and Procedures.
- (iii) Private Limited Companies—Dos & Don'ts.

13. Evolving of Guidelines for Standard Secretarial Practice

In pursuance of one of the recommendations of the High Powered Committee on Stock Exchange Reforms that the Institute should take necessary steps for toning-up the efficiency of the secretarial/share departments of companies, the Institute has assigned the work relating to evolving of guidelines for the purpose

to Shri B. S. Doraiswamy, Vice-President of the Institute. He has since submitted a Report which is under finalisation.

14. Promotion of Employment Opportunities

14.1 In pursuance of the recommendations of the Committee on Employment, constituted by the Council in 1983-84, steps have been taken to publicise the role of the profession among several agencies requiring the services of company secretaries in various capacities. The request to the Chairmen of Regional Councils and Chapters to give effect to the important recommendations of the Committee, has been reiterated.

14.2 Representations, made earlier to the Department of Company Affairs and Department of Banking, requesting them to stress on the nationalised banks and financial institutions the importance of appointing Company Secretaries to man their board secretariat and also to take up in full time employment as Executives in the Merchant Banking Divisions of Banks and Financial Institutions, have been followed up continuously. Similarly, representations made to the Life Insurance Corporation, General Insurance Corporation and other Insurance Companies to recognise company secretaries for recruitment as Administrative and Assistant Administrative officers and for promotion in those cadres, have also been followed up.

14.3 Some of the important dailies are being scanned regularly and after analysis, letters are addressed to advertisers, wherever necessary, highlighting the role which a company secretary can play in regard to various posts requiring qualifications based on law, finance and management. At the suggestion of the Institute, a few of the advertisers have included the membership of the Institute as an alternate qualification for posts in allied fields of finance, law and management.

15. Recognition to the Profession

15.1 Practising Company Secretaries

The Institute continued its efforts to broad-base the areas of practice for company secretaries. A representation was made to the Controller of Capital Issues, Ministry of Finance, to recognise practising company secretaries for certification of prospectus and the compliance of listing requirements by the companies concerned. Further, representations made to financial institutions/corporations, various government authorities like Company Law Board, Central Board of Direct Taxes and Banks for according recognition to practising company secretaries, have been followed up continuously. During the year more recognitions were received under the Import-Export Policy and from State Financial Investment Corporations.

15.2 List of Recognitions Secured

The details of recognitions secured for a company secretary in practice as well as in employment appear in Appendix 'E' to the Report.

15.3 Recognition by Universities

During the year 1986-87, the Department of Commerce and Management, Bangalore University, Bangalore, has recognised the membership of the Institute for registration of Ph.D. in the faculty of Commerce of the University.

16. Fifteenth National Convention

The Institute organised the Fifteenth National Convention of Company Secretaries on the theme "Corporate Financial Management" at Hotel Ashok, New Delhi, from 26 to 28 March, 1987. The Convention attended by nearly 600 delegates was inaugurated by Shri J. Vengala Rao, Minister for Industry, and addressed among others, by Shri V. K. Dair, Chairman, Company Law Board & Secretary, Department of Company Affairs and Public Enterprises and Shri K. N. Modi, Industrialist. The four technical sessions were chaired by Sarvaswari S. S. Nadkarni, Chairman & Managing Director, Industrial Development Bank of India; P. S. Gopalakrishnan, Chairman & Managing Director, Oriental Bank of Commerce; C. K. Tikku, Chairman, Central Board of Direct Taxes and Dr. C. Rangarajan, Deputy Governor, Reserve Bank of India. A Luncheon Session on "Professionalisation of Corporate Management" was addressed by Dr. N. K. Sengupta, senior civil servant.

REGISTRATION OF STUDENTS AND STUDENTS SERVICES

17. Registration of Students

During the year under report, 7952 students were registered by the Institute. The number of students whose registration was current at the end of the year was 51,020 including those whose registration was extended under regulation 21(3). A statement on the growth of registered students, candidates who have completed the Intermediate and Final examinations and the number of companies recognised for practical training is given in Appendix 'F' to the Report.

18. Syllabus and Coaching

18.1 Study Material for New Syllabus

For the new syllabus which came into force with effect from 1 February, 1986, the study material for Preliminary and Intermediate courses and the suggested answers for the test papers relating to the two courses were brought out within the time schedule and supplied to the students. Out of 9 papers of the Final course under the new syllabus, study material for seven papers was completed during the year and work was in progress in respect of the other two papers.

18.2 Updating of Study Material for Old Syllabus

The educational kit for the old syllabus too has been under constant review. The amendments under the various statutes as well as relevant case laws have been incorporated and the study material relating to corporate laws has been further revised during the year. The guideline answers for the June and December 1986 examination under the old syllabus were also brought out within a time frame, for the benefit of students.

18.3 Postal Tuition for Students

All the students registered during the year were enrolled for postal tuition. A total number of 11,372 coaching completion certificates were issued during the year under report. Existing oral coaching centres numbering 18 continued to operate under the respective Regional Councils and Chapters.

18.4 Strengthening of Educational and Training Facilities

With a view to strengthen the existing training and educational facilities and to have effective liaison with the Universities, three Sub-committees of the Training and Educational Facilities Committee have been constituted with three members in each Sub-committee as under :

- (i) Training Sub-committee.
- (ii) Educational Facilities Sub-committee.
- (iii) University Liaison Sub-committee.

18.5 University Liaison

The University Liaison Sub-committee would create a general awareness of the company secretaryship to the course. The Regional Councils and Chapters help to attract talented and bright students and to help in the universities and affiliated colleges. The universities have been advised to constitute university liaison committees at their end for having inter-action with the Universities in the region. The suggestions made to the universities include introduction of B.A. in corporate secretaryship course at degree level or alternatively an optional group comprising three papers in Secretarial Practice at the existing B. Com level, organisation of career exhibitions and talks for final year graduates, introduction of prize awards for meritorious students and recognition of membership of the Institute for doing Ph.D. and for appointment as lecturers in certain post-graduate courses.

18.6 'Student Company Secretary'

Timely publication and despatch of 'Student Company Secretary', a monthly Bulletin for students introduced in January 1984, has been maintained. With a view to further improve the academic guidance, utility and contents of the Bulletin, at the request of the Institute, Prof. M. C. Shukla, a Lecturer of fifty years standing and the first Director of Studies of the Institute has started contributing to the bulletin from February 1987. The Bulletin, as a compendium on statutory changes as well as case laws, aims to provide the latest available information on the subject for assisting the students to continuously update their study material and knowledge on the subject.

18.7 Lectures on Audio/Video Tapes

After re-examining the matter and reviewing the experimental video tape produced last year, it has now been decided to prepare some audio tapes with the help of professionals in the first instance for supplementing the educational kit.

19. Post Membership Examination

The Committee appointed to frame a syllabus for post membership examination under the chairmanship of Shri K. S. Bhatnagar, formerly Secretary, Department of Company Affairs and to finalise the course contents of the four specialised streams identified by it, has been reconstituted during the year. Its report is likely to be received before the end of the year.

20. Examinations

During the year the Institute had held two examinations, in June and December 1986, in 37 centres spread throughout the country and one centre abroad in Dubai. In June 1986 session, 903 and 246 candidates and in December 1986 session, 778 and 264 candidates completed the Intermediate and Final examinations respectively. Consequent upon the introduction of the new syllabus, the Preliminary examination under the new syllabus and Intermediate examinations under the old and new syllabi for the first time were held from June 1986 and December 1986 sessions respectively. The Final examination under new syllabus will also be conducted from June 1987 session. The statistics relating to the number of candidates appeared and declared successful in the Institute, June and December 1986 examinations are given in Appendix 'G' to the Report.

21. All India Prize Awards

21.1 Sarvashri Ashwajit Singh from Northern Region and R. Sriram from Southern Region won the President's Gold Medals in Final examinations in June and December 1986 examinations respectively. Sarvashri Shrikant S. Mate and Ramesh Rengachari from Western Region were the winners of the President's Silver Medals in Intermediate examinations in June and December 1986 examinations respectively.

21.2 The All India Prize Awards, instituted by the Institute, for recognising outstanding performance in the Company Secretaries examinations, were distributed for December 1985 and June 1986 sessions to the respective students on 26th March, 1987, at New Delhi at the inaugural function of the 15th National Convention of Company Secretaries, by the hands of Hon'ble Minister for Industry, Shri J. Vengala Rao.

21.3 Prize Awards for University Examinations

With a view to popularise the company secretaryship course among fresh commerce graduates and attract bright students from all universities, the Institute introduced a prize award scheme for the University examinations. Nine universities have so far agreed in principle to introduce the said prize award scheme, viz., Universities of Bangalore, Guwahati, Gujarat, Kashmir, Madras, Manipur, Mysore, North-Eastern Hill and Osmania.

22. Scholarships and Financial Assistance to students

Pursuant to the existing merit scholarship scheme, scholarships were awarded to 10 and 11 candidates, as found eligible for June 1986 and December 1986 examinations respectively. According to the merit-cum-financial assistance scheme, financial assistance

was awarded to 9 and 10 candidates, as found eligible in December 1985 and June 1986 examinations respectively.

23. Progressive use of Hindi in the examinations

Keeping in line with the Government's advice to gradually introduce Hindi in the professional examinations, the Council, besides allowing use of Hindi in Preliminary examination, as a progressive step, has decided to allow Hindi as an optional medium of writing in both groups of the Intermediate examination under old as well as new syllabi from December 1986 session.

24. Examination Centre in Dubai

The overseas examination centre, opened in Dubai, on an experimental basis from December 1985 session, continued for the Institute's examinations held in June and December 1986 sessions.

25. Management/Apprenticeship Training

According to regulation 48, every candidate passing the Final examination shall be required either to possess the practical experience or undergo management training or apprenticeship under the practising company secretary, for the period specified in the regulations. In order to improve and strengthen the training facilities and inputs, training guidelines have been formulated in detail and published for circulation to trainees as well as training companies. The guidelines contain provisions for effective monitoring of the training arrangements, maintenance of a diary by the trainee, submission of a project report in each quarter and illustrative areas of training in each department of the training company as well as in specialised agencies like Registrars of Companies, Stock Exchanges and Financial Institutions. The Council has already embarked upon a scheme to obtain consent from a large number of reputed public limited companies from all parts of the country for imparting management training to a large number of students including those who have completed the intermediate examination.

25.1 Management Training

During the year, 62 more companies were empanelled to impart management training. With this, 120 companies have so far agreed to impart one year management training to the candidates sponsored by the Institute. Most of the companies have also agreed to pay stipend during the training period.

25.2 Apprenticeship Training

During the year, 12 more practising company secretaries agreed to impart apprenticeship training to the candidates sponsored by the Institute in pursuance of regulation 48 of the Company Secretaries Regulations, 1982. The total number of practising company secretaries who have agreed to impart apprenticeship training at the close of the year was 26.

26. Practical Training

26.1 Recognition of more companies

During the year, 66 more companies were added to the panel of companies, imparting practical training to the candidates sponsored by the Institute. The total number of such companies at the close of the year was 580. 326 candidates who had passed the Final examination, were sponsored for practical training in such recognised companies.

26.2 Training by Specialised Agencies

Apart from 18 Registrars of Companies, 14 financial and banking institutions and 12 stock exchanges have also agreed to impart 15 days' training to candidates sponsored by the Institute.

26.3 Modular Training Programmes

The first modular training programme for the students was conducted at New Delhi from 7th July to 23rd July, 1986. Besides the core areas of filling and filing of forms, board meetings, public issues and loan documentations, participants were exposed to a few studies on the subject of general management, e.g., communication and inter-personnel relations and case studies on inter-personnel relations, industrial environment and production planning, etc. Learning through video/audio was introduced for the first time in the training programme at Delhi.

On the basis of feed back received, the course material for the four modules was revised/enlarged. At the following Regional Councils/Chapters, the modular training programmes for 15 days were commenced on the dates shown against each :

(i) EIRC, Calcutta	20th February, 1987
(ii) Ahmedabad Chapter	23rd February, 1987
(iii) WIRC, Bombay	4th March, 1987
(iv) SIRC, Madras	9th March, 1987

ACCOUNTS AND AUDIT

27. Accounts, Reserves and Surplus

Pursuant to sub-section (5) of section 18 of the Act, the audited accounts for the year ended 31st March, 1987, have been published herewith.

27.1 Income & Expenditure Account

The Income & Expenditure account for the year 1986-87 shows a surplus of Rs. 40,965 as compared to the previous year's surplus of Rs. 6,36,837. The reduction in surplus is mainly due to the increase in cost of services rendered on the one hand and decrease in the students' registration on the other with the introduction of new syllabus effective from 1st February, 1986. The implementation of the revised pay-scales for the employees of the Institute on the basis of the recommendations of the Fourth Pay Commission as accepted by the Council has also added to the establishment cost in this year. Suitable steps have been taken to monitor the capital and revenue expenditure, increase the registration of students and revise the fees appropriately in order to avoid any deficit in the next year.

27.2 Capitalisation of Fees

As per past practice, the entrance fees received from Associate and Fellow members which amounted to Rs. 1,33,100 during the year, have been capitalised. The capital reserve as at the close of the year stood at Rs. 16,95,525.

27.3 Reserves and Surplus

A sum of Rs. 3,83,994 on account of interest accrued on fixed deposits earmarked for Building Fund has been appropriated directly to the Building Reserve Account. The capital payments to the tune of Rs. 2,17,929 made during the year under report in connection with the acquisition of office premises for the Southern India Regional Council at Madras and for Baroda and Dombivli Chapters, have been transferred to General Reserve Account. The total General Reserve stood at Rs. 1,11,12,417 as on 31st March, 1987.

27.4 Summary of Financial State of Affairs

A summary of the financial state of affairs is given in Appendix 'H' to the Report.

28. Additions to the Land and Buildings

28.1 Office premises for Dombivli Chapter

A flat for the office of Dombivli Chapter measuring 560 sq. ft. was purchased during the year at Chidanand Apartments, Tilak Road, Near Post Office, Dombivli (East), for the functioning of the Chapter from the said premises.

28.2 Office premises for Bangalore Chapter

Arrangements have also been finalised to acquire an apartment for the office of Bangalore Chapter measuring about 1600 sq. ft. at 'Sheriff Chambers', 14, Cunningham Road, Bangalore. The building is under construction and the possession thereof is likely to be taken in the later half of 1987.

29. Auditors

Pursuant to sub-section (4) of section 18 of the Act, the Council reappointed M/s. D. K. Sengupta & Co., Chartered Accountants, New Delhi, as Auditors to audit the accounts for the year ended 31st March, 1987. The report of the Auditors is published herewith, along with the statements of accounts.

CONCLUSION

30. Gratitude and Appreciation

The Council places on record its gratitude to the Ministers and Officers of the Central Government, particularly the Department of the Company Affairs, for their continued guidance and support to the profession and the activities of the Institute during the year. The Regional Councils and Chapters provided adequate assistance to the Council in the development of the profession in their region. The State Governments, the corporate sector in general and the various Chambers of Commerce in the country have been responding favourably to the requests of the

Institute in the growth of the profession and opportunities to be afforded to the members.

The Council also places on record its deep appreciation of the loyalty and devotion to duty exhibited by the officers and staff in wholeheartedly implementing the decisions of the Council during the period under report.

For the Council of the Institute
of Company Secretaries of India
Signature

New Delhi

(R. RAMACHANDRAN)

Dated 17th August, 1987.

President

APPENDIX A

Standing and Non-Standing Committees and
Editorial Advisory Board for 1987

I. STANDING COMMITTEES

- | | |
|------------------------------------|----------------|
| 1. Executive Committee | |
| Shri R. Ramachandran | President |
| Shri B. S. Doraiswamy | Vice-President |
| Shri V. K. Majotra | Member |
| Shri R. V. Nagarajan | Member |
| Shri B. P. Dhanuka | Member |
| 2. Disciplinary Committee | |
| Shri R. Ramachandran | Chairman |
| Shri V. K. Majotra (Govt. Nominee) | Member |
| Shri V. R. Agnihotri | Member |
| 3. Examination Committee | |
| Shri B. S. Doraiswamy | Chairman |
| Shri D. C. Jain | Member |
| Shri Pramod S. Shah | Member |

II. NON-STANDING COMMITTEES

- | | |
|--|----------|
| 1. Training & Educational Facilities Committee | |
| Shri B. S. Doraiswamy | Chairman |
| Prof. Prithpal Singh | Member |
| Shri S. K. Tuteja | Member |
| Shri B. P. Dhanuka | Member |
| Shri D. C. Jain | Member |
| Shri D. K. Prahlada Rao | Member |
| Shri Shyamal Sen | Member |
| Shri C. R. Shah | Member |
| Shri Pramod S. Shah | Member |
| 2. Professional Development Committee | |
| Shri R. Ramachandran | Chairman |
| Shri S. K. Tuteja | Member |
| Shri B. P. R. Vithal | Member |
| Shri V. R. Agnihotri | Member |
| Shri R. Krishnan | Member |
| Shri D. K. Prahlada Rao | Member |
| Shri G. B. Rao | Member |
| Shri Shyamal Sen | Member |
| Shri C. R. Shah | Member |

3. Post Qualification Membership Committee

Shri K. S. Bhatnagar	Chairman
Dr. Gauri Shanker	Member
Shri Man Mohan Singh	Member
Shri Mohinder Pal Puri	Member
Prof. Prithpal Singh	Member
Shri C. R. Shah	Member

May 1986, 'Sick Industrial Companies (Special Provision) Act, 1985' on 27 September, 1986 in collaboration with the All India Manufacturers Association, West Bengal Board, 'Registration of Charges' on 22 November, 1986 in collaboration with BNCCI and on 'Securities Contracts (Regulation) Act, 1956' on 14 March, 1987. The first Regional Conference was organised on 9/10 January, 1987 on the theme "Changing Corporate Scenario and the Profession of Company Secretaries".

4. Coordination Committee

Shri R. Ramachandran	Chairman
Shri B. S. Doraiswamy	Member
Shri V. R. Agnihotri	Member
Shri R. Krishnan	Member
Shri R. V. Nagarajan	Member
Shri G. B. Rao	Member

The First Modular Training Programme organised by the EIRC on 20 February, 1987 was attended by 26 students. As a part of the continuing education programme, the Regional Council commenced Computer Appreciation Course in association with Associated Corporate Consultants and the first session was held from 25 February, 1987 for a period of 20 days. A dinner get-together with members and students was held on 19 April, 1986 and the Annual Dinner with members was organised on 6 March, 1987. In addition, five study circle meetings were organised during the year. The Regional Council continued the oral coaching classes for the students and the monthly News Bulletin for members. Two employment panels for members and students were maintained and in many instances, the candidates were selected out of the list provided by the Regional Council. About 108 books were added to the library during the year. Out of the five chapters in the Region, Ranchi Chapter obtained the regional best chapter commendation certificate for the year 1985-86.

III. EDITORIAL ADVISORY BOARD

Shri R. V. Nagarajan	Chairman
Shri U. K. Chaudhary	Member
Shri Delep Goswami	Member
Shri P. T. Hinduja	Member
Shri N. S. Mittal	Member
Shri R. Santhanam	Member
Shri C. R. Shah	Member
Shri T. P. Subharaman	Convenor & Publisher
Shri V. Balu	Editor

Northern India Regional Council

APPENDIX 'B'

GIST OF ACTIVITIES OF THE REGIONAL COUNCILS AS GIVEN IN THEIR ANNUAL REPORTS FOR THE YEAR 1986-87

Eastern India Regional Council

The Regional Council undertook several professional development activities and programmes during the year. It organised seven meetings, two seminars, two workshops and four symposia. One seminar was organised jointly by the Regional Council with the ICMA on the theme "Management Accountant, Company Secretary and the Computer" on 8 November, 1986 and the other was held on 17 January, 1987 on Investment Deposit Account Scheme, 1986. The workshops conducted related to Central Excise on 30 March, 1986 and Creation and Registration of Charge on 24 May, 1986. The symposia related to 'Inter-Corporate Loan and Inter-Corporate Deposit' on 3

The Regional Council's activities and programmes during the year included eight talks on topics of professional interest and two meetings—one to felicitate the President & Vice-President of the Institute and the other to felicitate Shri C. R. Mehta, Regional Director, Company Law Board. Further, eleven study circle meetings and two visits to the Delhi Stock Exchange were organised for the benefit of the members. In addition, two meetings of students were arranged with the Institute office-bearers and an annual meet and get-together of members and students on the foundation day of the Regional Council on 31 July, 1986. The Regional Council members visited Lucknow and Kanpur Chapters and obtained information about the activities of these Chapters. A meeting of the members of the Central Council was also arranged with members of the Regional Council on 31 August, 1986. The Company Secretaries Cooperative Group Housing Society, sponsored earlier by the Regional Council completed all formalities

under the Cooperative Societies Act during the year and made efforts for the allotment of a suitable plot of land.

The Regional Council maintained the oral coaching classes, pre-examination refresher classes and improved library facilities for the students. The monthly News Bulletin was regularly published. Out of the nine chapters, eight chapters reported activities during the year and Kanpur Chapter obtained the regional best chapter commendation certificate for the year 1985-86.

Southern India Regional Council

The Regional Council undertook on an average one meeting every month on topics of professional interest apart from study circle meetings and other activities. The topics inter alia included 'Industrial Licensing—Liberalisation and After', 'MODVAT—Rules and Procedures', 'Tax Aspects of Foreign Collaboration' and 'Public Issues—Role of Merchant Banking'. A workshop on 'Duties, Responsibilities and Liabilities of Directors' was organised on 26 July, 1986 and a seminar on 'Human Resources Development' was organised on 13 December, 1986. The Twelfth Regional Conference on 23 & 24 August, 1986 at Bangalore was inaugurated by Shri A. N. Banerjee, Governor of Karnataka on the forenoon of 23 August, 1986. A Computer Appreciation Course was organised between 27 February and 5 March, 1987. The Regional Council participated in the "INFORMEX-1987"—an exhibition on courses and careers—organised in March, 1987 by the Students Advisory Bureau of the University of Madras. The Regional Council conducted the first Secretarial Modular Training Programme on 9 March, 1987. The SIRC building was formally declared open on 6 December, 1986 by Shri K. Rajaram, Hon'ble Minister for Industries and Agriculture, Government of Tamil Nadu.

In addition, a felicitation meeting for the President and Vice-President of the Institute, a students meet and a meeting with practising company secretaries was held on 25 February, 1987. A meeting with Heads of Departments of Commerce, Law and Management of various colleges was organised on 26 February, 1987. Out of ten chapters in the Region, three chapters reported activities during the year and the Bangalore Chapter received the regional best chapter commendation certificate for the year 1985-86. The Regional Council continued to organise oral coaching classes and the monthly Newsletter was regularly brought out.

Western India Regional Council

The Regional Council had several programmes during the year and continued to have the highest number of members as well as members holding certificate of practice under its jurisdiction.

During the year, it organised 5 lecture-meetings, 5 group discussion meetings on Company Law, 3 zonal study circle meetings and joint programme with the WIRC of the Institute of Chartered Accountants of India, for the first time, the Regional Conference was

held outside the city of Bombay at Pune on the theme 'Corporate Laws-Critical Issues' and inaugurated by Shri S. P. Gupte, Vice-President, Century Rayon, Pune. It organised felicitation meetings to honour the President and Vice-President of the Institute and the incoming and outgoing Registrars of Companies. A workshop on "Sick Industrial Undertaking", a Computer Appreciation Course on "Computer and Company Secretary" and the Modular Training Programme for the Final passed students are the other activities organised by the Regional Council. It continued the refresher classes and real coaching classes in collaboration with Sydenham College of Commerce & Economics and N. M. College of Commerce & Economics.

The bi-monthly News Bulletin FOCUS was continued carrying articles on important topics and regional news. The Employment Cell provided excellent service and more than 100 requisitions were received from employers during the year. It organised a meeting of the office-bearers of the Central Council with practising company secretaries and the discussions proved to be very useful to the practising profession. It added about 100 new books to the library. Out of its 8 chapters Ahmedabad, Pune and Baroda were maintaining a high tempo of activities. The Ahmedabad Chapter won the National Best Chapter Award of the Institute for the year 1985-86 and the rotating shield was presented to the Chapter by Hon'ble Shri Vengala Rao, Minister for Industry at the inaugural session of the 15th National Convention of Company Secretaries at New Delhi on 26th March, 1987. The Chapter also became eligible for the annual award of Rs. 25,000 announced for the Best Chapter by Shri K. N. Modi on behalf of Modi Enterprises for the year 1985-86.

Financial Position and Number of Students & Members in the four Regional Councils

The comparative financial position and number of students and members of the four Regional Councils as reported at the close of the year on 31 March, 1987 were as under :

I—Financial Position

ITEM	REGIONAL COUNCILS			
	EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
	Rs	Rs	Rs	Rs
Surplus for the year ended 31 March, 1987	51542	4449	9206	91136
Reserves & Surplus as on 31 March, 1987	244923	652519	460303	549819

II—Number of Students and Members

	REGIONAL COUNCILS			
	EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
STUDENTS				
as on 31 March, 1986	6131	11415	12068	10355
as on 31 March, 1987	7228	13903	13804	12352
MEMBERS				
as on 31 March, 1986	878	1270	1451	2006
as on 31 March, 1987	922	1358	1547	2113

APPENDIX 'C'

GROWTH OF MEMBERS

Year	Total number of			Annual Growth over previous year		Removal from Register			% of total No of remo-vals to total membership	No of C P Holders	% of C P Holders to total membership
	Associate Members	Fellow Members	Total (2+3)	Abso-lute	%	Due to non-payment	Due to Death	Total (7+8)			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
A 1981-82	3286(80.24)	809(19.76)	4095(100)	426	11.67	47(82.45)	10(17.55)	57(100)	1.39	394	9.62
1982-83	3563(80.10)	885(19.90)	4448(100)	353	8.62	48(81.35)	11(18.65)	59(100)	1.33	450	10.12
1983-84	3993(80.73)	953(19.27)	4946(100)	498	11.20	52(81.25)	12(18.75)	64(100)	1.29	556	11.24
1984-85	4264(81.19)	988(18.81)	5252(100)	306	6.19	83(88.29)	11(11.71)	94(100)	1.79	672	12.80
1985-86	4405(78.59)	1200(21.41)	5605(100)	353	6.72	98(92.45)	8(7.55)	106(100)	1.89	749	13.36
1986-87	4648(78.25)	1292(21.75)	5940(100)	335	5.09	68(82.92)	14(17.08)	82(100)	1.38	879	14.73
B Absolute change (1981-82 to 1986-87)	1362(73.82)	483(26.18)	1845(100)	—	—	21	4	25	—	—	—
C Percentage change (1981-82 to 1986-87)	41.44	59.70	45.05	—	—	44.68	40	43.85	—	—	—
D Average Annual Growth Rate(%)	8.28	11.94	9.01	—	—	8.94	8	8.77	—	—	—
E Compound Annual Growth Rate(%)	7.18	9.82	7.72	—	—	7.77	6.95	7.55	—	—	—

Note : Figures in brackets are in percentage C P = Certificate of Practice

APPENDIX 'D'

GROWTH OF MEMBERS HOLDING CERTIFICATE OF PRACTICE

	Year	Issued during the year	Renewed during the year	Cancelled during the year	Net increase during the year	Total number of Members holding Certificate of Practice as on 31st March
	1	2	3	4	5	6
A	1981-82	80	314	1	79	394
	1982-83	90	360	34	56	450
	1983-84	136	420	30	106	556
	1984-85	160	512	44	116	672
	1985-86	145	604	68	77	729
	1986-87	185	694	55	130	879
B Absolute change (1981-82 to 1986-87)		—	—	—	—	485
C Percentage change (1981-82 to 1986-87)		—	—	—	—	123.09
D Average Annual Growth rate (%)		—	—	—	—	24.61
E Compound Annual Growth rate(%)		—	—	—	—	17.41

APPENDIX 'E'
(Part I)

RECOGNITIONS SECURED FOR A COMPANY SECRETARY IN PRACTICE

Sl. No.	Statute/Authority	Purpose	When Obtained
1.	2	3	4
1. STATUTES, RULES AND REGULATIONS			
1.	Wealth-tax Rules, 1957 [Rule 8A(7)]	Recognised for registering as a valuer of stocks, shares, debentures, etc.	October 1974
2.	Company Law Board (Bench) Rules, 1975 ¹ (Rule 28)	To act as authorised representative before the Company Law Board Benches	December 1975
3.	Income-tax Act, 1961 ¹ and Income-tax Rules, 1962 ¹ [Section 288(2) and Rules 49 and 50]	To act as authorised representative before the Income-tax authorities	July 1979
4.	Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission Regulations, 1974 ¹ (Proviso to Regulation 65)	To act as authorised representative before the Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission	May 1982
5.	(i) Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, and Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 (Guideline No. F1(8)/SE/82 dated 20-8-1982)	Certificate to the effect that allotment has been made by the company on the basis approved by the stock exchange	August 1982
	(ii) Press Note No. 14(2)/SE-85 dated 15-10-1985	In respect of companies which raise capital under the Capital Issues (Control) Act 1947/Capital Issues (Exemption) Order, 1969, a certificate to the effect that shares out of the promoters quota have been stamped to the effect that such shares shall not be sold/transferred/hypothecated for a period of at least three years from the date of allotment of shares	October 1985
	(iii) (a) The Ahmedabad Share and Stock Brokers Association, Ahmedabad.	Inspection of books of accounts and other documents of members of stock exchange required by guideline	March 1984
	(b) Uttar Pradesh Stock Exchange Association Ltd., Kanpur.	F. No. 1/4/SE/83 dated January 29, 1983.	April 1984
6.	Central Excises and Salt Act 1944, and Central Excise Rules, 1944 (Section 35Q and Rule 232B)	To act as authorised representative before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal and other authorities	October 1982
7.	Customs Act, 1962, and Customs (Appeals) Rules, 1982 (Section 146A and Rule 9)		
8.	Gold (Control) Act, 1968, and Gold (Control) Appeals Rules, 1982 (Section 101A and Rule 9)		
9.	The Trade and Merchandise Marks Rules, 1959 (Rule 148)	Qualified to be registered as a trade marks agent	April 1985
10.	Import and Export Policy, 1985-88 (Volume I)		
	(i) Paras 251 and 275	(i) Certification of export performance required to be submitted by a registered exporter/export house to the Chief Controller of Imports & Exports for obtaining Export House/Trading House Certificate	April 1982
	(ii) Para 110(1)	(ii) Certification regarding the eligible annual production required for obtaining import licence for the import of spares for aftersale services, by actual users (industrial)	April 1984
	(iii) Para 113(3)	(iii) Certification of particulars of the operating fleet, and all relevant documents required by a person owning a fleet of at least 25 motor vehicles made indigenously for importing restricted spares	April 1984
	(iv) Para 77(1)	(iv) Certification of statement of consumption required by the eligible actual users to make direct imports to the extent of 25 per cent of the c.i.f. value of their actual consumption of the item canalised for imports in this policy but was not canalised in earlier policy	April 1984

1. Secretary of a company can also undertake such assignment.

2. Under section 288(2) (v) of the Income-tax Act, those who have passed the accountancy examination recognised under Rule 50 of the Income-tax Rules only can act as authorised representatives. Rule 50, *inter alia*, includes Govt. Diploma holder in Company Secretaryship (G.D.C.S.)/the Final examination of the Institute of Company Secretaries of India.

	2-	3	4
(v) Para 183(2)	(v) Certification of the year-wise value of sales turnover of ammunition of the eligible arms dealers required for the import of specified type of ammunition.	April 1984	
(vi) Para 134(1)	(vi) Certification regarding the purchase turnover of books of persons holding valid registration certificate under the concerned Shops and Establishments statute for the import of books other than those covered by Open General Licence.	April 1984	
(vii) Para 183(3)	(vii) Certification of statement of exports required to be sent along with application by the exporter of feature films or the manufacturer-exporters for the import of videotape recorders/VCRs with or without camera/TV monitor	April 1984	
Handbook of Import-Export Procedures, 1985-88			
(viii) Appendix V-D-Part III	(viii) Consumption certificate required to be submitted for claiming A.U. (Supplementary) licence by Actual User (Industrial) ^a	April 1985	
(ix) Appendix XIV-L	(ix) Certification of export performance required to be submitted by export-oriented unit to the Export Commissioner for obtaining Export Performance Certificate.	April 1982	
(x) Appendix XIV-H [read with para 327(13)]	(x) Certification of the statement of exports under equity participation required for claiming REP licence against the export of machinery and equipment against Indian equity participation in joint ventures abroad.	April 1985	
(xi) Appendix XIV-I	(xi) Certification of the particulars of exports for the purpose of claiming REP licence in terms of para 329 of the Handbook of Import-Export Procedures, 1985-88	April 1985	
(xii) Appendix XXI-C	(xii) Certification regarding realisation of net foreign exchange required by Export/Trading House for claiming additional licence.	April 1985	
(xiii) Appendix XVI-F	(xiii) Certification of import requirements of raw materials, components and consumables required for claiming advance licence under duty exemption scheme for chemical and textile industries.	April 1985	
(xiv) Appendix V-D-Part I	(xiv) Certification of statement of requirement, consumption, stocks, etc., for import of non-iron & steel items appearing in Appendices 2B and 3A and iron and steel items appearing in Appendices 2-B and 3-B of the Import and Export Policy 1985-88	May 1986	
II. INSTITUTIONS			
11. All India Financial Institutions	Certification with regard to the following :		
(i) Industrial Development Bank of India	(a) Necessary powers of a company and its directors to enter into an agreement	} July 1981	
(ii) Industrial Finance Corporation of India	(b) Borrowing limits of a company under section 293 (1)(d) of the Companies Act, 1956, including details of share capital, authorised, issued, subscribed, and paid-up, and the actual borrowing		
(iii) Industrial Credit and Investment Corporation of India Ltd.	(c) List of members of a company	} July 1983	
(iv) Unit Trust of India	(d) Certificate regarding exemption to proposed borrowing under the Capital Issues (Exemption) Order, 1969		
(v) Life Insurance Corporation of India	(e) Copies of resolution passed at company meetings to be furnished to financial institutions		
(vi) General Insurance Corporation of India			
(vii) Industrial Reconstruction Bank of India	—do—(a) to (e)	January 1986	

3. The system of AU (Automatic) Licence has been abolished under the Import & Export Policy 1985-88. Consumption certificate duly certified, is, however, required for obtaining A.U. (Supplementary) Licence under the Policy 1985-88.

1	2	3	4
III. HIGH COURT			
12.	Calcutta High Court (letter No. Cor. 424 dated 9-2-1983)	Introduction of panel of practising company secretaries for appointment as receivers, arbitrators, trustees, and special officers	February 1983
IV. BANKS			
13.	Indian Banks' Association (Circular No. SO/69-73-III-C-82/9565 dated 15-4-1983 and Circular No. SO/69-73-C-86/4763 dated 16-6-1986)	Status/Search Reports for banks	April 1983
V. STATE LEVEL AGENCIES			
14.	State Financial/Industrial Investment/Development Corporations		
	(i) Assam Industrial Development Corporation Ltd., Guwahati	(a) Necessary powers of a company and its directors to enter into an agreement (b) Borrowing limits of a company under section 293(1)(d) of the Companies Act 1956, including details of share capital, authorised, issued, subscribed and paid-up, and the actual borrowing	March 1982
	(ii) Himachal Pradesh Financial Corporation, Simla	—do—	July 1982
	(iii) West Bengal Financial Corporation*, Calcutta	—do—	August 1982
	(iv) Rajasthan Financial Corporation, Jaipur	—do—	September 1983
	(v) Maharashtra State Financial Corporation, Bombay	—do—	April 1984
	(vi) U. P. State Industrial Development Corporation Ltd., Kanpur	—do—	December 1985
	(vii) Gujarat Industrial Investment Corporation Ltd.,* Ahmedabad	(a) Necessary powers of a company and its directors to enter into an agreement (b) Borrowing limits of a company under section 293(1)(d) of the Companies Act, 1956 including details of share capital, authorised, issued, subscribed, and paid-up and the actual borrowing (c) List of members of a company (d) Certificate regarding exemption to proposed borrowing under the Capital issues (Exemption) Order, 1969 (e) Copies of resolution passed at company meetings to be furnished to financial institutions	{ October 1982 August 1986
	(viii) Nagaland Industrial Development Corporation Ltd., Dimapur	—do—	September 1983
	(ix) Uttar Pradesh Financial Corporation, Kanpur	—do—	September 1983
	(x) State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu., Ltd.* Madras	—do—	October 1983
	(xi) The Tamil Nadu Industrial Investment Corporation Ltd., Madras	—do—	November 1983
	(xii) Karnataka State Industrial Investment and Development Corporation Ltd., Bangalore	—do—	{ July 1982 February 1986
	(xiii) The Pradeshia Industrial and Investment Corporation of U.P. Ltd., Lucknow	—do—	March 1983
	(xiv) Andhra Pradesh State Financial Corporation, Hyderabad	—do—	{ June 1982 March 1986
	(xv) The Punjab State Industrial Development Corporation Ltd., Chandigarh	—do—	March 1986
	(xvi) The State Industrial and Investment Corporation of Maharashtra Ltd., Bombay	—do—	{ July 1982 March 1986
	(xvii) Haryana Financial Corporation, Chandigarh	—do—	{ September 1982 April 1986
	(xviii) Punjab Financial Corporation, Chandigarh	—do—	May 1986
	(xix) Andhra Pradesh Industrial Development Corporation Ltd., Hyderabad	—do—	{ May 1982 June 1986
	(xx) Kerala State Industrial Development Corporation Limited,* Trivandrum	(a) to (c) and (e)	August 1986

*In addition, certificate in respect of search reports from the records maintained by the office of the Registrar of Companies will be accepted.

*Ibid

*Ibid

1	2	3	4
(xxi)	Rajasthan State Industrial Development & Investment Corporation Limited, ⁷ Jaipur	(a) to (e)	August 1986
(xxii)	Industrial Promotion and Investment Corporation of Orissa Ltd. ⁷ — Bhubaneswar	—do—	{ September 1982 August 1986
(xxiii)	Gujarat State Financial Corporation, ⁷ Ahmedabad	—do—	{ April 1982 September 1986
(xxv)	The Zoram Industries Development Corporation Ltd., ⁷ Mizoram	—do—	March 1987

APPENDIX 'E'

(Part II)

RECOGNITIONS SECURED FOR A COMPANY SECRETARY IN EMPLOYMENT

Sl No	Statute/Authority	Purpose	When Obtained
1	Ministry of Education	Appointment to superior posts and services under the Central Government	February 1968 December 1971 and July 1981
2.	Section 383A of the Companies Act, 1956	Companies having a paid up share capital of Rs. 25 lakhs or more to employ a whole-time company secretary	February 1975
3.	Section 2(45) of the Companies Act, 1956, and the Companies (Secretary's Qualifications) Rules, 1975	Definition of 'Secretary' was amended to provide for the qualification of the membership of the Institute and to provide that the duties to be performed by a secretary should include duties under the Companies Act and any other ministerial or administrative duties	February 1975
4.	Government of Andhra Pradesh	For recruitment in public sector undertakings of the State to superior posts.	September 1981
5.	Central Government (Department of Company Affairs)	Essential qualification for recruitment to Grades I to IV in the Accounts Branch of the Central Company Law Service.	November 1982
6.	Indian Bank's Association.	Appointment of company secretaries as specialists in the fields of finance, accounts, legal and merchant banking	March 1983
7.	Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms	Empanelment of company secretaries for assignment of Indian experts to the developing countries of Asia, Africa and Latin America	March 1984
8.	Government of Gujarat General Administration, Department Circular No. RDD/1077-1129/K dated 16-1-1978 and letter No. RDD-1081 1781-K dated 23-6-1981.	Degrees/Diplomas awarded by Universities or other educational institutes established by an Act of the Central or State Legislature or by an Act of Parliament automatically recognised for the purpose of recruitment to the posts and services under the State Government.	January 1978 and June 1981

⁷. Ibid

APPENDIX F

GROWTH OF STUDENTS

Statement showing Registered Students, Students who completed Intermediate & Final Examinations and Number of Companies imparting training from 1981-82 to 1986-87

Year	Registered Students (current)	Candidates who completed		No. of Companies recognised for practical training
		Inter	Final	
1981-82	43516	1676	390	360
1982-83	47687	1278	499	397
1983-84	50097	1296	636	430
1984-85	50010	1116	484	480
1985-86	51670	1275	420	514
1986-87	51020	1681	510	580
Absolute Change (1981-82 to 1986-87)	7504			
% age change (1981-82 to 1986-87)	17.24			
Average annual growth rate (%)	3.45			
Compound annual growth rate (%)	3.23			

APPENDIX 'G'

TABLE GIVING NUMBER OF STUDENTS APPEARED AND PASSED IN JUNE AND DECEMBER, 1986 EXAMINATIONS
JUNE 1986 SESSION

Examination	Appeared	Passed	Pass percentage
Preliminary	46	6	13.04
Intermediate*			
Group-I	3704	1130	30.51
Group-II	3531	1114	31.55
Final**			
Group-I	1005	289	28.76
Group-II	1116	376	33.69
Group-III	1316	246	18.69

*1308 candidates appeared for both Groups out of whom 272 candidates passed both Groups (20.80%)

**132 candidates appeared for all the three Groups out of whom 21 candidates passed all the three Groups (15.91%)

DECEMBER 1986 SESSION

Examination	Appeared	Passed	Pass percentage
Preliminary	57	4	7.02
Intermediate* (Old Syllabus)			
Group-I	3719	675	18.15
Group-II	3563	1025	28.76
Intermediate (New Syllabus)			
Group-I	69	9	13.04
Group-II	86	22	25.58
Final**			
Group-I	1091	359	32.90
Group-II	1184	288	24.32
Group-III	1517	315	20.76

*1421 candidates appeared for both Groups out of whom 227 candidates passed both Groups (15.97%)

**157 candidates appeared for all the three Groups out of whom 24 candidates passed all the three Groups (15.28%)

APPENDIX 'H'

STATISTICS AT A GLANCE
(FINANCIAL STATE OF AFFAIRS)

	As on 31-3-1987 Rs.	As on 31-3-1986 Rs.
LIABILITIES		
1. Total Reserves (including excess of Income over Expenditure)	16466338	15664245
2. Current Liabilities and Provisions	7790171	7027506
Total	24256509	22691751
ASSETS		
1. Fixed Assets	7348531	6867134
2. Current Assets		
(i) Sundry Debtors	197352	123476
(ii) Cash, Bank Balances and Investments	12854558	11857299
(iii) Stock in Hand	2207497	2521453
(iv) Deferred Revenue Expenditure (to the extent not written off)	261772	—
3. Loans and Advances	1386799	1322389
Total	24256509	22691751

D.K. SENGUPTA & CO.
Chartered Accountants

P-22, South Extension Part II
New Delhi-110049
19th June, 1987

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of the Institute of Company Secretaries of India as at 31st March, 1987 and the Income & Expenditure Account annexed thereto for the year ended on that date and report as under:—

1. In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, the accounts give a true and fair view:—

- (a) in the case of Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute as at 31st March, 1987: and
- (b) in the case of Income & Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

2. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

3. In our opinion, proper books of accounts and records have been kept by the Institute so far it appears from our examination of these books.

4. The Balance Sheet and the Income & Expenditure Account under report are in agreement with the books of accounts and records maintained.

For D.K. SENGUPTA & CO.
Chartered Accountants
(D.K. SENGUPTA)

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 1987

	Schedule	1986-87	1985-86
		Rs.	Rs.
SOURCES OF FUND			
Capital Reserve	1	1695525	1562425
General Reserve	2	11112417	10853523
Building Reserve	3	3658396	3248297
		<hr/>	<hr/>
Total		16466338	15664245
		<hr/>	<hr/>
APPLICATION OF FUND			
Fixed Assets			
(Written Down Value)	4	7348531	6867134
Current Assets	5	15521179	14502228
Less : Current			
Liabilities and Provisions	6	7790171	7027506
		<hr/>	<hr/>
		7731008	7474722
Loans and Advances	7	1386799	1322389
		<hr/>	<hr/>
Total		16466338	15664245
		<hr/>	<hr/>

As per our report of even date
on the Balance Sheet

For D.K. SENGUPTA & CO.,

Chartered Accountants

(D.K. SENGUPTA)

New Delhi

T.P. SUBBARAMAN

B.S. DORAISWAMY

R. RAMACHANDRAN

June 19, 1987

Secretary & Executive Director

Vice-President

President

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 1987

	Schedule	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
INCOME			
By Fees & Subscriptions from Members and Students	8	10056235	9859832
„ Subscriptions, Allocations and Advertisements for Chartered Secretary Journal and Student Company Secretary Bulletin		1436917	1116595
„ Receipts from Convention and Professional Development Programmes in excess of direct expenses	9	82481	584
„ Other Income	10	2100197	1697635
Total		13675830	12674646
EXPENDITURE			
To Payment to Employees	11	5130523	4311785
„ Postal Coaching (direct cost)	12	2127413	1451443
„ Research and Professional Development		8091	15690
„ Professional Training		25250	—
„ Printing of Publications and Office Stationery	13	799161	793502
„ Printing of Chartered Secretary Journal and Student Company Secretary Bulletin	14	1230731	1077491
„ Travelling and Conveyance	15	453537	351499
„ Postage, Telegrams, Telephones & Telex	16	686692	639695
„ Examinations		873216	795608
„ Rent, Rates and Taxes		204085	164989
„ Other Expenses	17	558917	539698
„ Professional Services	18	158350	140250
„ Grants to Regional Councils/Chapters		483047	410477
„ Regional Office Expenses	19	178766	198753
„ Depreciation on Fixed Assets	4	346217	319416
„ Student Scholarship & Award Scheme		47351	32172
„ Election Expenses for Central and Regional Councils		—	55803
„ Provision for Gratuity		175218	145058
„ Provision for Employees Pension		148000	593000
„ Loss on sale/disposal/write-off of old Fixed Assets		—	1480
„ Excess of Income over Expenditure carried over to Balance Sheet		40965	636837
Total		13675830	12674646

As per our report of even date
on the Balance Sheet

For D.K. SENGUPTA & CO.
Chartered Accountants

(D.K. SENGUPTA)

New Delhi

June 19, 1987

1021 GU/87—7

I.P. SUBBARAMAN

Secretary & Executive Director

B.S. DORAISWAMY

Vice-President

R. RAMACHANDRAN

President

SCHEDULE—1

CAPITAL RESERVE

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
As per last Balance Sheet	1562425	1387725
Add : Fees capitalised—		
Associate Entrance Fees	112500	129300
Fellow Entrance Fees	20600	45400
Total	<u>1695525</u>	<u>1562425</u>

SCHEDULE—2

GENERAL RESERVE

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
As per last Balance Sheet	10853523	9276166
Add : Transfer from Building Reserve	217929	940520
Surplus as per		
Income & Expenditure Account	40965	636837
Total	<u>1,11,12,417</u>	<u>10853523</u>

BUILDING RESERVE	SCHEDULE—3
1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
As on 1-4-1986 in earmarked fixed deposits	3248297
Add: Interest on earmarked fixed deposits	383994
Contribution by SIRC in the cost of land/building for Regional Office, Madras	37454
Contribution by NIRC in the construction of building for Regional Office, Delhi	—
Contribution by Baroda and Dombivli Chapters in the cost of buildings for these Chapter Offices	940520
	205580
	3876325
Less : Transfer to General Reserve (50 % of the cost of land/buildings for Regional Office, Madras and Baroda & Dombivli Chapters borne by the Institute)	217929
Total	940520
	3658396
	3248297

SCHEDULE OF ASSETS ANNEXED TO AND FORMING PART

S. No.	Description	Rate of depreciation	GROSS BLOCK			
			Cost as on 1-4-1986	Addition during the year	Sale/adjustment during the year	Total cost as on 31-3-87
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Land (Central Office)	—	58756	—	—	58756
2.	(Regional Office, Delhi)	—	174711	58682	—	233393
3.	(Regional Office, Madras)	—	1200000	—	—	1200000
4.	Building (ICSI House)	2½	3591975	—	—	3591975
5.	(Regional Office, Bombay)	2½	258086	—	—	258086
6.	(Regional Office, Delhi—under construction)	—	53605	—	—	53605
7.	(Regional Office, Madras)	2½	681040	74907	—	755947
8.	(Baroda Charter)	2½	—	234355	—	234355
9.	(Dombivli Charter)	2½	—	152700	—	152700
10.	Fans	10	59787	2910	—	62697
11.	Furniture & Fixtures	10	915401	56501	—	971902
12.	Time Recorder, Tell Tale & Wall Clocks	10	6779	—	—	6779
13.	Adding & Calculating Machines	15	20484	3418	—	2390
14.	Air Concitioners & Room Coolers	15	71563	37143	—	103706
15.	Air Conditioning & Air Cooling Equipments	15	545000	—	—	545000
16.	Automatic Emergency Lights	15	5083	—	—	5083
17.	Bradma Machines	15	86741	9796	—	96537
18.	Duplicators	15	38392	—	—	38392
19.	Franking Machines	15	20299	—	—	20299
20.	Hand Driers	15	2995	—	—	2995
21.	Heat Convector	15	468	—	—	468
22.	Intercom Apparatus	15	44317	—	—	44317
23.	Lawn Mower	15	653	—	—	653
24.	Memo Dialler	15	3850	—	—	3850
25.	Pantry Equipments & Appliances	15	9858	1011	—	10869
26.	Photostat Machines	15	104066	—	—	104066
27.	Tape Recorders	15	2508	850	—	3358
28.	Transformers & Voltage Stabilizers	15	21522	—	—	21522
29.	Typewriters	15	196842	10101	—	206943
30.	TV (Colour)/VCR/Trolley	15	—	25190	—	25190
31.	Vacuum Cleaner	15	3300	—	—	3300
32.	Water Coolers & Filters	15	49532	20724	—	70256
33.	Water Meter	15	233	—	—	233
34.	Weighing Counters	15	12033	—	—	12033
35.	Camera	15	—	974	—	974
36.	STD DisConnectors	15	—	1100	—	1100
37.	Bicycles	20	1782	—	—	1782
38.	Library Books	20	478760	67023	—	545283
39.	Motor Car	20	74550	100765	74550	100765
40.	Cycle/Scooter Shed	33½	19993	—	—	19993
Total			8814464	858150	74550	9598064
Previous Year's figures			6562219	2263118	10873	8814464

OF THE BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 1987

DEPRECIATION			WRITTEN DOWN VALUE		
Prior to 1-4-1986	For the year	Adjustment during the year	Total	As on 31-3-1987	As on 31-3-1986
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
—	—	—	—	58756	58756
—	—	—	—	233393	174711
—	—	—	—	1200000	200000
420362	79290	—	499652	3092323	171613
57702	5010	—	62712	195374	200384
—	—	—	—	53605	53605
17026	18473	—	35499	720448	664014
—	5859	—	5859	228496	—
—	3817	—	3817	148883	—
25269	3743	—	29012	33685	34518
382515	58938	—	441453	530449	532886
2313	446	—	2759	4020	4466
14465	1415	—	15880	8022	6019
45419	9493	—	54912	53794	26144
297316	37153	—	334469	210531	247684
2217	430	—	2647	2436	2866
61283	5288	—	66571	29966	25458
18793	2040	—	21733	16659	19599
14710	838	—	15548	4751	5589
832	324	—	1156	1839	2163
70	60	—	130	338	398
23560	3114	—	26674	17643	20757
181	71	—	252	401	472
1069	417	—	1486	2364	2781
4625	937	—	5562	5307	5233
40789	9492	—	50281	53785	63277
1344	302	—	1646	1712	1164
8338	1978	—	10316	11206	13184
108768	14727	—	123495	83448	88074
—	3779	—	3779	21411	—
916	358	—	1274	2026	2384
23599	6999	—	30598	39658	25933
130	15	—	145	88	103
4930	1065	—	5995	6038	7103
—	146	—	146	828	—
—	165	—	165	935	—
979	161	—	1140	642	803
307752	47506	—	355258	190025	170508
44014	20153	44014	20153	80612	30536
16044	1315	—	17359	2634	3949
1947330	346217	44014	2249533	7348531	6867134
1633055	319416	5141	1947330	6867134	4929164

SCHEDULE—5

CURRENT ASSETS

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
Part I : Sundry Debtors (unsecured)		
(a) Considered good		
More than six months old	—	6968
Others	197352	116508
(b) Considered doubtful : More than six months old	1425	2040
	198777	125516
Less : Reserve for Bad & Doubtful Debts	1425	2040
Total (Part I)	197352	123476
Part II : Cash, Bank Balances & Investments		
(a) Cash and cheques/drafts in hand	8867	7959
(b) Postage stamps in hand	16435	9696
(c) With banks in Savings Bank Accounts :-		
Canara Bank, Green Park Extension, New Delhi	443336	505674
Indian Overseas Bank, Golf Links, New Delhi	3701	3189
Indian Bank, Defence Colony, New Delhi	45745	18377
(d) With banks in fixed deposits :-		
Canara Bank, Green Park Extension, New Delhi	4020000*	5020000
Indian Overseas Bank, Golf Links New Delhi	200000	400000
Indian Bank, Defence Colony, New Delhi	400000	400000
Andhra Bank, Green Park Extension, New Delhi	—	100000
Punjab National Bank, Lodi Colony, New Delhi	—	100000
(e) Investment in Bonds :-		
National Thermal Power Corpn. Ltd.	4000000**	4000000
Indian Petrochemicals Corpn. Ltd.	1000000	—
Mahangar Telephone Nigam Ltd.	200000	—
(f) Interest accrued	2516474	1292404
Total (Part II)	12854558	11857299
*Includes deposits of Rs. 3658396 earmarked against Building Reserve		
**Includes investments earmarked against Provision for Gratuity Payable and Provision for Employees' Pension Payable to the tune of Rs. 864487 and Rs. 741000 respectively.		
Part III : Stock of Publications, Stationery, Paper, Chartered Secretary Journal/Student Company Secretary Bulletin, Coaching Material and Neck Ties in hand as on 31-3-1987.		
(a) Publications	341549	479296
(b) Stationery	64543	76688
(c) Printing Paper	125279	212737
(d) Journal/Student Bulletin	62925	164944
(e) Study Material and Plastic Folders	1605167	1582388
(f) Neck Ties	8034	5400
Total (Part III)	2207497	2521453
Part IV : Deferred Revenue Expenditure		
(to the extent not written off) :		
(a) Value of stock of publications and coaching material written off for absorption in next two years	186772	—
(b) Expenditure on repairs of the ground floor of Headquarters building for absorption in next three years	75000	—
Total (Part IV)	261772	—
Grand Total (Parts I+II+III+IV)	15521179	14502228

SCHEDULE—6

CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
Part I : Current Liabilities		
(a) Student Registration Fee for unexpired services	3914337	3862165
(b) Receipts from Members in advance	106461	102119
(c) Receipts from Souvenir/Journal Advertisements in advance	—	1000
(d) Expenses Payable	836978	923409
(e) Audit fee Payable	2500	3000
(f) Donation Payable to Company Secretaries/ICSI Employees Benevolent Funds	29312	7563
(g) Due to Regional Councils/Chapters	210587	211007
(h) Delegate Fee (adjustable)	15824	10424
(i) Sundry Receipts for payments	587	587
(j) Earnest/Retention Money	10767	10482
(k) Deposit for Prize Award to Students	20000	20000
(l) Library Security Deposit	110540	87840
(m) Lumpsum Deposit for Publications	4079	4500
(n) Delegate Fee received in advance	3300	—
Total (Part I)	5265272	5244096
Part II : Provisions		
(a) Provision for Water, Electricity, Telephone, Convention and Contingencies	914412	485763
(b) Provision for Building (H. Ors.)	5000	5000
(c) Gratuity Payable	861487	699647
(d) Employees Pension Payable	741000	593000
Total (Part II)	2524899	1783410
Grand Total (Parts I+II)	7790171	7027506

SCHEDULE—7

LOANS AND ADVANCES (UNSECURED AND CONSIDERED GOOD)

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
(a) Loans and Advances		
Employees	217824	250885
Examination Centres	9300	5300
Convention	1741	37462
Printers/Suppliers (on account)	1700	8381
Purchase of Buildings for Regional Councils/Chapter Offices		
— Advance	400000	196000
— Loan	590052	649480

(b) Prepaid Expenses		
Insurance Premium	11309	10644
Rent, Rates & Taxes	1980	1725
Repairs & Renewals	25116	35145
Staff Welfare (Personal Accident Insurance)	7406	15488
Telephone & Telex	3760	2891
Regional Offices	3260	3157
(c) Sundry Deposits		
Landlords of Regional Office premises	15935	15935
Municipal Taxes & Maintenance (Regional Office, Bombay)	10440	10440
Delhi Electric Supply undertaking	28500	28500
M/s. Pure Drinks	126	126
LPG Cylinder/Regulator	530	530
Security Deposit with Post Offices	12000	8000
Deposit for Telephone and Telex	10500	10500
Universities (for prize awards)	35320	31500
Total	1386799	1322389

SCHEDULE—8

FEES & SUBSCRIPTIONS FROM MEMBERS AND STUDENTS

	1986-87		1985-86	
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Part I : From Members				
(a) Fellow Annual Fees		323590		300000
(b) Fellow Entrance Fees	20600		45400	
Less : 100% transferred to Capital Reserve	20600	—	45400	—
(c) Associate Annual Fees		420140		432145
(d) Associate Entrance Fees	112500		129300	
Less : 100% transferred to Capital Reserve	112500	—	129300	—
(e) Membership Restoration Fees		6350		7100
(f) Certificate of Practice Annual Fees		70088		55487
(g) List of Members		2257		2000
Total (Part I)		822425		796732
Part II : From Students				
(a) Change of Examination Centre Fees		1900		1685
(b) Exemption from Preliminary/Intermediate/Final Examination Fees		394524		587968
(c) Final Examination Fees		890767		811030
(d) Intermediate Examination Fees		1438367		1270148
(e) Preliminary Examination Fees		18057		18915
(f) Registration Fees		1122036		904799
(g) Relaxation Fees		480		435
(h) Verification of Marks Fees		15901		11085
(i) Annual Fees		154469		391788
(j) Postal Tuition Fees		5075282		5043372
(k) Late Fees		97096		590
(l) Licentiate Fees		17311		13865
(m) Apprenticeship Training Fees		450		450
(n) Library Membership Fees		9170		6970
Total (Part II)		9233810		9063100
Grand Total (Parts I+II)		10056235		9859832

SCHEDULE -9

INCOME FROM CONVENTION AND OTHER PROFESSIONAL
DEVELOPMENT PROGRAMMES

	1986-87		1985-86	
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Delegate Fees & Other Receipts				
Delegate Fees				
Convention	491750		282470	
Residential Programme			59150	
Programmes for Top Executives of Public Sector Undertakings	51585		57946	
Joint Professional Programmes	85265		14100	
IMPACT (London) 1985			1548277	
Contribution				
Convention	38190			
Advertisements to Souvenir				
Convention	66636		40743	
Others				
Income from Past Conventions			50	
Income from Joint Professional Programmes		733426	1511	2004247
Less : Direct Expenses				
Convention	513096		353448	
Residential Programme			45738	
Programmes for Top Executives of Public Sector Undertakings	39562		45799	
Joint Professional Programmes	76283		10401	
IMPACT (London) 1985			1548277	
Past Conventions	2001	630945		2003663
		102481		584
Less : Allocation for donation to Company Secretaries Benevolent Fund and ICSI Employees Benevolent Fund		20000		
Balance as shown in the Income & Expenditure Account		82481		584

SCHEDULE -10

OTHER INCOME

	1986-87	1985-86
	Rs.	Rs.
(a) Sale of Publications	828049	814602
(b) Interest on Bank Balances and from Investments	1238810	859814
(c) Interest on Staff Advances	1727	1375
(d) Miscellaneous Income	14113	19848
(e) Surplus on sale/disposal/Write-off of old Fixed Assets	13478	651
(f) Donation for Office Buildings	4020	1345
Total	2100197	1697635

SCHEDULE -11

PAYMENTS TO EMPLOYEES

	1986-87	1985-86
	Rs.	Rs.
(a) Salaries & Allowances	4476204	3793875
(b) Staff Welfare	344781	296002
(c) Employer's Contribution to Provident Fund	309538	221908
Total	5130523	4311785

SCHEDULE - 12

POSTAL COACHING EXPENSES

	1986-87		1985-86	
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(a) Opening Stock as on 1st April, 1986 :				
Study Material	1319305		553099	
Paper	110472		107692	
Plastic Folders	263083		173595	
		1692860		834296
(b) Add : Expenditure incurred during the year on study material, plastic folders and others		2123100		2318007
		3817960		3144303
(c) Less : Closing Stock as on 31st March, 1987 :				
Study Material	1458837		1319305	
Paper	51566		110472	
Plastic Folders	146330	1656733	263083	1692860
		2161227		1451443
(d) Deduct : Value of written-off stocks carried forward for absorption in next two years		33814		
Postal Coaching Expenses		2127413		1451443

SCHEDULE - 13

PRINTING OF PUBLICATIONS AND OFFICE STATIONERY

	1986-87		1985-86	
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(a) Opening Stock as on 1st April, 1986 :				
Publications	479296		532108	
Stationery	76688		79025	
Paper	50052		32912	
		606036		644045
(b) Add : Consolidated expenditure incurred during the year on paper, printing of publications and office stationery		713933		755493
		1319969		1399538
(c) Less : Closing Stock as on 31st March, 1987 :				
Publications	341549		479296	
Stationery	64543		76688	
Paper	22494		50052	
		428586		606036
		891383		793502
(d) Deduct : Value of written-off stocks carried forward for absorption in next two years		91922		
Printing of Publications and other Stationery Expenses		799461		793502

SCHEDULE 14

PRINTING OF CHARTERED SECRETARY JOURNAL
AND STUDENT COMPANY SECRETARY BULLETIN

	1986-87 Rs.	Rs.	1985-86 Rs.	Rs.
(a) Opening Stock as on 1st April, 1986 :				
Journal/Student Company				
Secretary Bulletin	164944		107481	
Paper	52213		25298	
		217157		132779
(b) Add : Expenditure incurred on paper and printing of Journal/Student Company Secretary Bulletin		1188754		1161869
		1405911		1294648
(c) Less : Closing Stock as on 31st March, 1987 :				
Journal/Student Company				
Secretary Bulletin	62925		164944	
Paper	51219		52213	
		114144		217157
		1291767		1077491
(d) Deduct : Value of written-off stock carried over for absorption in next two years		61036		—
Direct expenses on printing of Journal/Student Company Secretary Bulletin		1230731		1077491

SCHEDULE 15

TRAVELLING & CONVEYANCE

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
(a) Travelling by Council Members	303433	223589
(b) Travelling by others	45621	41663
(c) Conveyance	104483	86247
Total	453537	351499

SCHEDULE -16

POSTAGE, TELEGRAMS, TELEPHONES & TELEX

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
(a) Postage & Telegrams	585466	500494
(b) Telephones, Telex & Intercom Expenses	101226	139201
Total	686692	639695

SCHEDULE—17

OTHER EXPENSES

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
(a) Newspapers & Periodicals	4531	4140
(b) Advertisement & Publicity	15669	14816
(c) Meeting & Promotional Expenses	31553	22725
(d) Repairs & Renewals	95390	84060
(e) Electricity	145585	150629
(f) Legal	42732	13627
(g) Packing Cartage & Freight	74658	64667
(h) Audit Fee	9000	8000
(i) Fire, Accident & Fidelity Insurance Premium	12259	10238
(j) Motor Car Expenses	28216	33883
(k) Office Upkeep & Maintenance	19418	50796
(l) Building Repairs & Maintenance	40723	62446
(m) Hindi Promotional Expenses	1028	4216
(n) Office Miscellaneous	21404	12558
(o) Bank charges	16751	2897
Total	558917	539698

SCHEDULE—18

PROFESSIONAL SERVICES

	1986-87 Rs.	1985-86 Rs.
(a) Charges for Computerisation Services	156831	130408
(b) Others	1519	9842
Total	158350	140250

SCHEDULE—19

REGIONAL OFFICE EXPENSES

	1986-87				1985-86	
	Bombay Rs.	Calcutta Rs.	Delhi Rs.	Madras Rs.	Total Rs.	Rs.
(a) Rent Rates & Taxes	30084	49932	37200	6210	123426	159939
(b) Other Office Expenses	11504	8980	29400	5447	55340	38814
Total	41588	58912	66609	11657	178766	198753

As per our report of even date
on the Balance Sheet

For D.K. SENGUPTA & CO

Chartered Accountants

(D.K. SENGUPTA)

New Delhi

June 19, 1987

Signatures to Schedules I to 19

T.P. SUBBARAMAN

Secretary & Executive Director

B.S. DORAISWAMY

Vice-President

R. RAMACHANDRAN

President